हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

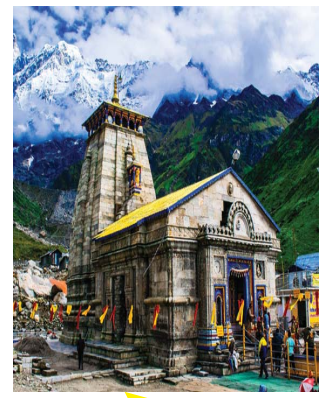

वर्ष:4 अंक:276 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये

pathpravah.com

हरिद्वार, शुक्रवार, 10 अक्टूबर 2025

औद्योगिक विकास और निवेश के क्षेत्र में उत्तराखंड देश का अग्रणी राज्य:मुख्यमंत्री पुष्कर धामी

नई दिल्ली में पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 120वें वार्षिक सत्र में हुए शामिल

पथ प्रवाह, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज नई दिल्ली में आयोजित पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (PHDCCI) के 120वें वार्षिक सत्र में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने देशभर से आए उद्यमियों, उद्योगपतियों और औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधियों को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि पीएचडी चैम्बर ने बीते 120 वर्षों में देश की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विकास और उद्यमशीलता की भावना को सशक्त करने में जो भूमिका निभाई है, वह अतुलनीय है।

भारत की वैश्विक भूमिका में उत्तराखंड का योगदान

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि यह सत्र भारत की एक विश्वसनीय वैश्विक साझेदार के रूप में उभरती भूमिका÷ और उसमें उत्तराखंड के योगदान पर सार्थक चिंतन का अवसर है। उन्होंने कहा कि उद्योग किसी भी देश की आर्थिक प्रगति की रीढ़ हैं, जो न केवल रोजगार सृजन करते हैं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग के जीवन स्तर को सुधारते हैं।

रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म卐 की नीति से भारत को मिली नई दिशा

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म की नीति ने भारत को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि आज भारत निवेश, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय जैसे क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर परिवर्तनकारी भूमिका निभा रहा है।

भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर – सीएम धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि जो देश पहले भारत को केवल एक उपभोक्ता बाजार मानते थे, वे आज भारत की तकनीकी और नवाचार क्षमता को सम्मान की दृष्टि से देख रहे हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के भारत दौरे का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि भारत 2028 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा और यह सबसे भरोसेमंद निवेश गंतव्य है।

उत्तराखंड में 3.56 लाख करोड़ के निवेश समझौते

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि वर्ष 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में राज्य को 3.56 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनमें से 1 लाख करोड़ से अधिक के प्रस्तावों पर कार्य शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम को सशक्त किया गया है तथा 30 से अधिक निवेश-अनुकूल नीतियां लागू की गई हैं, जिनमें औद्योगिक, लॉजिस्टिक, स्टार्टअप और एमएसएमई नीतियां शामिल हैं।

यू-हब और 200 करोड़ वेंचर फंड से स्टार्टअप्स को नई उड़ान

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य सरकार स्टार्टअप्स को सशक्त बनाने के लिए 60 करोड़ रुपये की लागत से यू-हब (Hub) स्थापित कर रही है और उन्हें फंडिंग सहयोग हेतु 200 करोड़ का वेंचर फंड बनाया गया है। साथ ही, K-SPICE नाम से निवेश प्रोत्साहन एजेंसी स्थापित की गई है, जो निवेशकों को निवेश मित्र सुविधा उपलब्ध करा रही है।

राज्य में विकसित हो रहे औद्योगिक पार्क और टाउनशिप

मुख्यमंत्री ने बताया कि काशीपुर में अरोमा पार्क, सितारगंज में प्लास्टिक पार्क, काशीपुर में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, पंतनगर में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक पार्क विकसित किए जा रहे हैं। एमएसएमई उद्यमियों के लिए रुद्रपुर, सेलाकुई और हरिद्वार में 'प्लग एंड प्ले' मॉडल पर फ्लैटेड फैक्ट्रियां तैयार हो रही हैं। इसके अलावा, किच्छा में 1000 एकड़ में स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड से बढ़ा स्थानीय उत्पादों का वैश्विक मूल्य

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड के तहत राज्य के ऑर्गेनिक उत्पादों को एक मंच पर लाया जा रहा है।

राज्य के कई उत्पादों को जीआई टैगिंग दिलाई गई है और महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए उत्पाद अब वैश्विक पहचान प्राप्त कर रहे हैं।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में उत्तराखंड 'एचीवर्स', स्टार्टअप रैंकिंग में 'लीडर' राज्य

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि उत्तराखंड को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में 'एचीवर्स' और स्टार्टअप रैंकिंग में 'लीडर' की श्रेणी प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार की पारदर्शी नीतियों और सख्त मॉनिटरिंग का लाभ निवेशकों को मिल रहा है।

देहरादून में 28 से 30 नवंबर को होगा विश्व आपदा प्रबंधन शिखर सम्मेलन (WSDM)

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि देहरादून में 28 से 30 नवंबर 2025 तक वर्ल्ड समिट ऑन डिजास्टर मैनेजमेंट (WSDM) का आयोजन होगा।

इस सम्मेलन में वैश्विक नेता और विशेषज्ञ जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन पर चर्चा करेंगे। इसका उद्देश्य आपदाओं से निपटने के लिए नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम में प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति

इस अवसर पर पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष हेमंत जैन, उपाध्यक्ष राजीव जुनेजा, पूर्व अध्यक्ष संजीव अग्रवाल, अनिल गुप्ता, विभिन्न औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधि, उद्योगपति तथा यू-कॉस्ट के महानिदेशक दुर्गेश पंत उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने केंद्रीय वित्त मंत्री से की महत्वपूर्ण परियोजनाओं और वित्तीय सहयोग पर विस्तृत चर्चा

पथ प्रवाह, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से भेंट कर उत्तराखंड राज्य से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक और विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने वित्त मंत्री को जीएसटी सुधारों के सफल क्रियान्वयन के लिए शुभकामनाएँ दी और राज्य को मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि उत्तराखंड के शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या का दबाव लगातार बढ़ रहा है। राज्य के पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील और भारी वर्षा वाले क्षेत्रों में नगरीय जल निकासी प्रणाली (Urban Drainage System) को सुधारने और अपग्रेड करने की अत्यंत आवश्यकता है। इसके लिए राज्य के 10 सर्वाधिक बारिश प्रभावित जिलों के लिए स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम के उन्नयन और सुधार के लिए डीपीआर तैयार की गई हैं, जिनकी कुल अनुमानित लागत 8,589.47 करोड़ है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने केंद्रीय वित्त मंत्री से इन परियोजनाओं को पूंजीगत निवेश के तहत विशेष सहायता योजना के अंतर्गत स्वीकृति देने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने केंद्रीय वित्त मंत्री से राज्य की बाह्य सहायतित परियोजनाओं (EAPs) की शीघ्र स्वीकृति देने का अनुरोध भी किया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की ओर से प्रस्तुत तीन प्रमुख परियोजनाओं में से उत्तराखंड क्लाइमेट रिज़िलीअन्स डेवलपमेंट प्रोजेक्ट को स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन सुदृढ़ीकरण परियोजना के लिए 850 करोड़ और जलापूर्ति व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए 800 करोड़ का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने 4 प्रमुख परियोजनाओं पर भी शीघ्र स्वीकृति की मांग की। पूर्व में प्राप्त आश्वासनों के अनुसार, मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने केंद्रीय वित्त मंत्री से वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक की बाह्य सहायतित परियोजनाओं की सीलिंग के अतिरिक्त 4 अन्य प्रमुख परियोजनाओं की शीघ्र स्वीकृति देने का आग्रह किया। इन परियोजनाओं में शामिल हैं। जल एवं स्वच्छता नगरीय अवसंरचना विकास परियोजना - 2,000 करोड़ की। जल एवं स्वच्छता नगरीय अवसंरचना विकास परियोजना 424 करोड़ रूपये की। उत्तराखंड क्लाइमेट रेसिलिएंट इंट्रा स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन सिस्टम डेवलपमेंट - 3,638 करोड़। उत्तराखंड पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन रिलायबिलिटी इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट - 1,566 करोड़ शामिल है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि ये परियोजनाएँ राज्य के बुनियादी ढाँचे, जल संसाधन प्रबंधन, ऊर्जा और सार्वजनिक सेवा वितरण व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। केंद्रीय वित्त मंत्री ने सहयोग का भरोसा दिया। केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत और ब्रिटेन की साझेदारी वैश्विक स्थिरता और आर्थिक प्रगति का आधार:मोदी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और ब्रिटेन को स्वाभाविक साझेदार बताते हुए कहा है कि मौजूदा वैश्विक अस्थिरता के दौर में दोनों देशों के बीच मजबूत साझेदारी वैश्विक स्थिरता और आर्थिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण आधार है।

भारत यात्रा पर आये ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ गुरुवार को यहां राज भवन में व्यापक वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में श्री मोदी ने कहा कि श्री स्टारमर के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने खनिज क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। उन्होंने कहा,÷ हमने महत्वपूर्ण खनिज पर सहयोग के लिए एक इंडस्ट्री गिल्ड और सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी की स्थापना का निर्णय लिया है। इसका सेटेलाइट कैंपस आई एस एम, धनबाद में होगा।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने सैन्य प्रशिक्षण के क्षेत्र में भी सहयोग का समझौता किया है। इसके तहत भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर ब्रिटिश वायु सेना में ट्रेनर के रूप में कार्य करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों की साझेदारी भरोसे, प्रतिभा और प्रौद्योगिकी पर आधारित है। उन्होंने कहा, हमारे संबंधों की नीव में लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानून के शासन जैसे मूल्यों में साझा विश्वास शामिल है। मोदी ने कहा, मौजूदा वैश्विक अस्थिरता के दौर में, भारत और ब्रिटेन के बीच यह बढ़ती हुई साझेदारी वैश्विक स्थिरता और आर्थिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण आधार बन रही है।

एक नजर

बुखार से मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची मुंडलाना

पथ प्रवाह हरिद्वार। ग्राम मुंडलाना ब्लाक नारसन में डेंगू बुखार के फैलने एवं संभावित बुखार से मौत होने की सूचना मिलने पर स्वास्थ्य टीम ने गांव में पहुंचकर जानकारी प्राप्त की। इस दौरान टीम प्रभावितों के घर पर पहुंची। टीम ने गांव में दवा का छिड़काव भी कराया।

जिला मलेरिया अधिकारी हरिद्वार सी.एम. अथवाल ने अवगत कराया कि ग्राम मुंडलाना ब्लाक नारसन में डेंगू बुखार के फैलने एवं संभावित बुखार से दो लोगों की मृत्यु की सूचना पर राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण टीम द्वारा गांव में पहुंच कर मृतकों के घर जाकर उनके परिजनों से मिलकर संभावित बुखार से हुई मौत के कारणों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने टीम को बताया कि संभावित बुखार से हुई मृत्यु में सितारा 32 वर्ष महिला तथा रत्तन महिला 22 वर्ष ग्राम मुंडलाना शामिल हैं। उन्होंने अवगत कराया कि टीम द्वारा मृतक के परिजनों से मिलकर मौत के कारणों के बारे में पता किया गया। परन्तु उनके परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार किसी भी तरह की जांच रिपोर्ट अथवा चिकित्सालय का कोई भी पर्चा प्राप्त नहीं हुआ। बताया गया कि डेंगू वालिंटियर द्वारा 60 घरों का भ्रमण किया गया जहां 112 सामग्रियों को जांचा गया तथा 6 में लार्वा प्राप्त हुआ एवं 6 लोगों में बुखार पाया गया। उन्होंने अवगत कराया कि मुडलाना गांव में स्वास्थ्य कैम्प लगाया गया। जिसमें 106 लोगों की जांच की गई तथा 58 संभावित लोगों के सैम्पल लिया गया। सभी संभावित लोगों को उपचार प्रदान किया गया। टीम द्वारा गांव में थर्मल फागिंग करायी गई तथा ग्राम प्रधान से मिलकर गांव में फैले बुखार को लेकर चर्चा की गई, जिसमें पता चला कि कुछ दिनों से गांव में अज्ञात बुखार से लोग पीड़ित हैं। उन्होंने अवगत कराया कि गांव में टीम द्वारा डेंगू जागरूक अभियान के तहत डेंगू पम्पलेट का वितरण किया गया तथा डेंगू जागरूकता पोस्टर भी चस्पा किए गए।

हरिद्वार में जिलाधिकारी के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई, अवैध पटाखों के 11 गोदाम सील

पथ प्रवाह, हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार के ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में गुरूवार की शाम जिलाधिकारी के निर्देश पर की गई छापेमारी में पटाखों के 11 गोदाम सील किये गए। इन सभी गोदामों में बिना लाइसेंस के अवैध रूप से पटाखों का भंडारण किया गया था। एसडीएम हरिद्वार जितेंद्र कुमार के निर्देशन में कोतवाली ज्वालापुर पुलिस ने छापेमारी की। यहां के तेलियान मोहल्ला, पीठ बाजार, लोधा मंडी, महतान, डॉट मोहल्ला और सराय आदि में की गई कार्रवाई के दौरान 11 गोदाम सील किये गए। इन गोदामों में करोड़ों रुपये के पटाखे रखे हुए थे। आबादी के बीच बने इन गोदामों से सुरक्षा को बड़ा खतरा था। एसडीएम जितेंद्र कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में दीपावली पर बेचने के लिए पटाखों को गोदामों में रखा गया है। जांच में पता चला कि व्यापारियों द्वारा बिना अनुमति के गोदामों में करोड़ो रूपये के अवैध पटाखे रखे हुए थे। इन सभी गोदामों को सील कर दिया गया है। मौके पर पहुंची प्रशासन की टीम को देखकर व्यापारियों में हड़कंप मचा रहा। एसडीएम ने बताया कि यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। ज्वालापुर के अलावा जनपद के अन्य स्थानों पर भी इस तरह की कार्रवाई की जाएगी।

बॉडी बिल्डर वरिंदर घुमन की हार्ट अटैक से मौत

पथ प्रवाह संवाददाता।अंतरराष्ट्रीय बॉडी बिल्डर वरिंदर घुमन का हार्ट अटैक के चलते निधन हो गया है. वह मूल रूप से पंजाब के गुरदासपुर के रहने वाले थे. वरिंदर घुमन ने सलमान खान समेत कई फिल्मी सितारों के साथ काम किया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वरिंदर घुमन बाजू, माइनर ऑपरेशन करवाने के लिए अकेले ही अपने घर से निकले थे, क्योंकि यह माइनर ऑपरेशन था इसलिए उनको आज ही अस्पताल से वापस आना था. लेकिन अचानक उनको कार्डियो अरेस्ट आ गया और मौत हो गई.

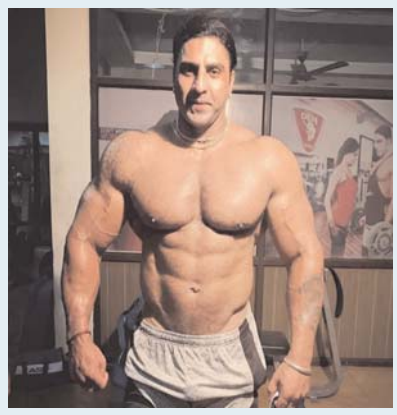

फर्जी सैनिक बनकर आर्मी एरिया में घूम रहा युवक गिरफ्तार

पथ प्रवाह, रूड़की। कोतवाली रूड़की पुलिस, आर्मी इंटेलिजेंस, सीआईयू रूड़की और एलआईयू रूड़की की संयुक्त टीम ने एक ऐसे फर्जी सैन्यकर्मी को गिरफ्तार किया है जो सेना की वर्दी पहनकर आर्मी परिसर में घूम रहा था। आरोपी के कब्जे से 18 डेबिट कार्ड, सेना की वर्दी, नेम प्लेट, फर्जी आर्मी कार्ड और नकली ज्वाइनिंग लेटर बरामद किए गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर जनपद में संदिग्ध व्यक्तियों एवं असामाजिक तत्वों पर सतर्क निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में कोतवाली रूड़की पुलिस लगातार सघन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान आर्मी इंटेलिजेंस से सूचना मिली कि आर्मी एरिया में एक संदिग्ध व्यक्ति सेना की वर्दी में घूम रहा है। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए आर्मी इंटेलिजेंस, कोतवाली रूड़की पुलिस, ष्टढ्ढ और रुढ्ढ की संयुक्त टीम ने रुश्चस् गेट के पास से संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान सुरेन्द्र कुमार पुत्र शिशराम निवासी ग्राम कोलसिया, थाना नवलगढ़, जिला झुंझुनू (राजस्थान) के रूप में बताई। आरोपी ने स्वीकार किया कि वह सेना की वर्दी पहनकर कैंट क्षेत्र में प्रवेश करता था ताकि आसानी से आर्मी एरिया में सूचना एकत्रित कर सके। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 364/25 अंतर्गत प्रभावी धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल, पुलिस और इंटेलिजेंस विभाग आरोपी के मुख्य उद्देश्य और संभावित नेटवर्क की गहन जांच कर रहे हैं।

बरामद सामान

18 डेबिट कार्ड, सेना की वर्दी, नेम प्लेट, फर्जी आर्मी कार्ड, फर्जी ज्वाइनिंग लेटर

आरोपी का विवरण

नामः सुरेन्द्र कुमार, पिता का नामः श्री शिशराम, निवासीः ग्राम कोलसिया, थाना नवलगढ़, जिला झुंझुनू (राजस्थान) कोतवाली रूड़की पुलिस टीमः व0 उ0नि0 मनोज गैरोला, उ0नि0 ध्वजवीर सिंह, का0 सोबन सिंह, का0 रंगमोहन CIU रूड़की टीमः निरीक्षक प्रदीप बिष्ट (प्रभारी CI), हे0का0 अश्वनी यादव,हे0का0 मनमोहन भंडारी, हे0का0 चमन, का0 महिपाल, का0 राहुल, का0 अजय काला।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
UTTRAKHAND SANSKRIT UNIVERSITY, HARIDWAR
हरिद्वार-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग
HARIDWAR-DELHI NATIONAL HIGHWAY
पो. बहादराबाद (हरिद्वार) 249402
P.O. : BAHADRABAD (HARIDWAR) 249402
E-mail: registrar@usvv.ac.in Website: www.usvv.ac.in

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर, हरिद्वार में संचालित पाठ्यक्रमों की सूचीः–

पाठ्यक्रम	विषय/उपाधि	प्रवेश योग्यता	अवधि
स्नातक (Graduation) (UG)	शास्त्री (B.A.) 1. साहित्य 2. व्याकरण 3. ज्योतिष 4. वेद	10+2	03 वर्ष (06 सेमेस्टर)
	5. शिक्षाशास्त्री (B.Ed.)	स्नातक (संस्कृत सहित)	02 वर्ष (04 सेमेस्टर)
स्नातकोत्तर (आचार्य) (M.A.) (PG)	साहित्य	स्नातक	02 वर्ष (04 सेमेस्टर)
	नव्यव्याकरण	स्नातक	02 वर्ष (04 सेमेस्टर)
	ज्योतिष	स्नातक	02 वर्ष (04 सेमेस्टर)
	वेद	स्नातक	02 वर्ष (04 सेमेस्टर)
	भाषा एवं आधुनिक ज्ञान विज्ञान	स्नातक	02 वर्ष (04 सेमेस्टर)
	योग	स्नातक	02 वर्ष (04 सेमेस्टर)
	इतिहास	स्नातक	02 वर्ष (04 सेमेस्टर)
	शिक्षाशास्त्र (एजुकेशन)	स्नातक	02 वर्ष (04 सेमेस्टर)
	एम.ए. पत्रकारिता	स्नातक	02 वर्ष (04 सेमेस्टर)
पीएच.डी. (Ph.D.)	साहित्य	सम्बन्धित विषय में 55% सहित स्नातकोत्तर (आचार्य) (M.A.)	
	नव्यव्याकरण		
	ज्योतिष		
	योग		
	भाषा एवं आधुनिक ज्ञान विज्ञान		
	शिक्षाशास्त्र		
	वेद		
	अंग्रेजी		
	पर्यावरण विज्ञान		
	इतिहास		
पी.जी. डिप्लोमा (P.G. Diploma)	ज्योतिष	स्नातक	01 वर्ष (02 सेमेस्टर)
	वास्तुशास्त्र	स्नातक	01 वर्ष (02 सेमेस्टर)
	योग	स्नातक	01 वर्ष (02 सेमेस्टर)
	कम्प्यूटर एप्लीकेशन	स्नातक	01 वर्ष (02 सेमेस्टर)
	पौरोहित्य एवं कर्मकाण्ड	स्नातक	01 वर्ष (02 सेमेस्टर)
सर्टिफिकेट (Certificate)	योग	10+2	06 माह
	संस्कृत	10+2	06 माह
	कर्मकाण्ड	10+2	06 माह
	कम्यूनिकेटिव इंग्लिस	10+2	06 माह
	पर्यावरणीय जागरूकता	10+2	06 माह
	कम्प्यूटर एप्लीकेशन	10+2	06 माह

उक्त विश्वविद्यालय राज्य सरकार द्वारा संचालित है। प्रवेश हेतु प्रत्येक पाठ्क्रम में न्यूनतम शुल्क है, प्रवेश विवरणिका विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध है। विश्वविद्यालय में छात्रों हेतु 126 सीटर छात्रावास एवं पीएचडी छात्रों हेतु पीएचडी छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है। आगामी शैक्षिक सत्र 2026-27 से विश्वविद्यालय में छात्राओं हेतु 150 सीटर महिला छात्रावास की सुविधा उपलब्ध होगी।

विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु समय-समय पर विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.usvv.ac.in का अवलोकन करते रहे।

(लखेन्द्र गौथियाल) वित्त नियंत्रक
(गिरीश कुमार अवस्थी) कुल सचिव
(प्रो. दिनेश चन्द्र शास्त्री) कुलपति

धर्मनगरी में अधर्म: 60 साल के कलयुगी पिता ने किशोरी बेटी से किया दुष्कर्म

पथ प्रवाह, हरिद्वार

धर्मनगरी मोक्षदायिनी मां गंगा की पवित्र नगरी में अधर्म लगातार बढ़ता जा रहा है। एक कलयुगी पिता ने अपनी ही नाबालिग बेटी को हवस का शिकार बनाया। बेटी जब गर्भवती हो गई तो उसको गर्भपात की दवाई दे दी। लेकिन पेट में दर्द की शिकायत पर जब किशोरी को अस्पताल भर्ती कराया गया तो पूरे मामले की पोल खुल गई। मामले में किशोरी का प्रेमी भी आरोपी है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना कनखल क्षेत्र की है।

8 अक्टूबर 2025 को एक पीड़िता निवासी कनखल हरिद्वार ने तहरीर दी गयी कि मेरी नाबालिग बहन जिसके पेट मे अत्यधिक दर्द होने पर अस्पताल मे भर्ती कराया गया। जहां पर डाक्टरों ने गर्भवती होने व नाबालिग द्वारा गर्भपात दवाई लेने की बात कही गयी। जहां पर चिकित्सकों द्वारा नाबालिग से पूछा गया कि उक्त घटना मे कौन शामिल है तो तो नाबालिग ने अपने पिता पर आरोप लगाया। बताया कि मेरे पिता ने उक्त कृत्य किया गया है। नाबालिग की बहन की तहरीर पर थाना कनखल पर मु0अ0स0 296/25 धारा 64(2)(च)/64 BNS व 3(क)/4 व 5(ञ)(ii)(ढ)/6 पोक्सो अधि0 पंजीकृत किया गया। महिला सम्बन्धित अपराध होने के कारण वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार महोदय के द्वारा अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। जिस पर प्रभारी अधिकारी थाना कनखल के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। उक्त पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त गणो को दिनांक 08.10.2025 को गिरफ्तार किया गया अभियुक्त गणो को बाद आवश्यक कार्यवाही हेतु माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है ।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम

1- रमेश पुत्र बीरबल निवासी हनुमानगढी थाना कनखल जनपद हरिद्वार

2- प्रियांश पुत्र राजीव कुमार निवासी सन्यासियों वाला जसपुर थाना जसपुर जिला उधम सिहं नगर

पुलिस टीम

1- म0 उ0नि0 भावना पंवार, उ0नि0 धनराम शर्मा, हे0का0 जितेन्द्र शाह, हे0का0 सूरजपाल

डीएवी स्कूल के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता में जीते स्वर्ण पदक

पथ प्रवाह, हरिद्वार। भारत विकास परिषद, पंचपुरी शाखा हरिद्वार द्वारा एसएम पब्लिक स्कूल, जगजीतपुर में आयोजित राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता के प्रथम चरण में डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, जगजीतपुर के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हिंदी समूह गान, संस्कृत समूह गान तथा समग्र चैम्पियनशिप – तीनों वर्गों में स्वर्ण पदक अर्जित कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

प्रतियोगिता में विद्यालय के कक्षा सातवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी असाधारण संगीत प्रतिभा से निर्णायकों व दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

गायन समूह में भाव्या तनेजा (कक्षा 7), माहिया और अन्या (कक्षा 8), मनस्वी शर्मा (कक्षा 9), श्रेया शर्मा, दीपांजलि, विदिशा जैन और अविका सैनी (कक्षा 9) शामिल थीं। वहीं वाद्य संगत में नवजोत सिंह (कक्षा 12) तबले पर, लक्ष्य अग्रवाल (कक्षा 12) कांगो पर और अभिनव गुरुरानी (कक्षा 8) हारमोनियम पर अपनी प्रस्तुति दी। दोनों गीतों का चयन भारत विकास परिषद के प्रकाशन राष्ट्रीय चेतना के स्वर से किया गया था। विद्यालय के संगीत शिक्षकों हिमांशु गुप्ता और दीपक भट्ट ने विद्यार्थियों को प्रतियोगिता हेतु तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुमार कपिल ने सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन पर हार्दिक बधाई दी और विद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर ऊँचा करने के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों में न केवल सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाते हैं बल्कि राष्ट्रप्रेम की भावना को भी सशक्त करते हैं।

डीएवी में साइबर जागरूकता दिवस पर छात्रों ने सीखे ऑनलाइन सुरक्षा के गुर

पथ प्रवाह, हरिद्वार

डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, जगजीतपुर, हरिद्वार में जिला प्रशासन के तत्वावधान में साइबर सुरक्षा पर एक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन सुरक्षा और डिजिटल नागरिकता के महत्व के बारे में जागरूक करना था।

कार्यक्रम के संवादात्मक सत्र में साइबर क्राइम पुलिस प्रमुख प्रकाश चन्द्र एवं उनकी टीम ने छात्रों को साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इंटरनेट पर सतर्क रहना आज के युग की आवश्यकता है। टीम ने निम्नलिखित विषयों पर विस्तार से चर्चा की –ऑनलाइन सुरक्षा और सुरक्षित व्यवहार के सर्वोत्तम अभ्यास

- साइबर बुलिंग और उसके परिणाम
- सोशल मीडिया पर सुरक्षा के उपाय
- पासवर्ड प्रबंधन और व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा
- फिशिंग एवं ऑनलाइन ठगी से बचाव के तरीके

सत्र के दौरान साइबर सुरक्षा टीम ने वास्तविक घटनाओं के उदाहरण प्रस्तुत किए, जिससे कार्यक्रम और अधिक रोचक तथा प्रभावी बन गया। प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

टीम प्रमुख प्रकाश चन्द्र ने छात्रों को जागरूक करते हुए कहा कि ÷इंटरनेट एक उपयोगी माध्यम है, लेकिन इसका सुरक्षित उपयोग करना ही सच्ची डिजिटल समझदारी है। उन्होंने बच्चों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स, पासवर्ड और व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखने के व्यावहारिक उपाय बताए।

कार्यक्रम में कक्षा 10 के छात्रों ने ऑनलाइन गेमिंग के दुष्प्रभावों पर एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस नाटक का निर्देशन विद्यालय की साइबर कांग्रेस की इंचार्ज श्रीमती दीपशिखा शर्मा द्वारा किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुमार कपिल ने साइबर सुरक्षा टीम के इस प्रयास की सराहना की और प्रकाश चन्द्र व उनकी टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि डीएवी परिवार विद्यार्थियों के समग्र विकास के साथ उनकी डिजिटल सुरक्षा को भी समान प्राथमिकता देता है। आगे हम ऐसे और भी कार्यक्रम आयोजित करेंगे जिनमें अभिभावक एवं शिक्षक भी शामिल होंगे, ताकि एक सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण का निर्माण किया जा सके।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर में जागरूकता पोस्टर भी प्रदर्शित किए गए। पूरे कार्यक्रम का माहौल ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा।

एक नजर

मुख्य विकास अधिकारी ने किया भगवानपुर के 'प्रकाशमय सीएलएफ' का निरीक्षण

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार। मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे ने विकासखंड भगवानपुर के अंतर्गत प्रकाशमय सीएलएफ द्वारा संचालित उद्यम, आलू चिप्स और नमकीन उत्पादन इकाई का भौतिक भ्रमण किया। यह उद्यम ग्रामोत्थन (रीप) परियोजना के तहत वैल्यू चेन सपोर्ट और एनआरएलएम के माध्यम से स्थापित किया गया है। भ्रमण के दौरान, मुख्य विकास अधिकारी ने आलू से बन रही आलू चिप्स की सम्पूर्ण प्रक्रिया, मार्केट सर्वे रिपोर्ट, बिक्री रिपोर्ट (सेल रिपोर्ट), और उत्पाद की गुणवत्ता (प्रोडक्ट क्वालिटी) पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने उद्यम की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए समूह की महिलाओं के प्रयासों की सराहना की। सीडीओ ने इस उद्यम को और मजबूत करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्देश दिए। जिसके तहत सर्वप्रथम आलू चिप्स व नमकीन का व्यवसायिक उत्पादन किया जाए, उत्पादन और विपणन का रोस्टर प्लान वर्ष भर का तैयार कर इसे लागू करना सुनिश्चित किया जाए, तथा उत्पादों की ब्रांडिंग एवं पैकिंग को मुख्य रूप से फोकस कर उत्पादों को मार्केट में लॉन्च किया जाए। इस कार्य को करने से पूर्व आवश्यक सर्टिफिकेशन कार्य के लिए मुख्यमंत्री उद्यमशाला (आरबीआई) योजना की सेवाएं लेते हुए इस कार्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया।

उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर दिया जोर

विपणन (मार्केटिंग) की जिम्मेदारी बीएमएम भगवानपुर और सहायक प्रबंधक सेल्स को सौंपी गई है। मुख्य विकास अधिकारी ने उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर जोर देते हुए निर्देश दिया कि 15 अक्टूबर के बाद से प्रतिदिन 25 किलोग्राम आलू चिप्स का उत्पादन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया इस यूनिट में जितनी क्षमता की मशीनें लगी है, उसका पूर्ण उपयोग करते हुए उत्पादों को बाजार में विपणन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने समूह की महिलाओं द्वारा बनाए जा रहे हैंडीक्राफ्ट के उत्पादों का भी जायजा लिया और उनकी उच्च गुणवत्ता तथा बेहतरीन बनावट की प्रशंसा की। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि महिलाओं द्वारा बनाए जा रहे आलू चिप्स/नमकीन और हैंडीक्राफ्ट की क्वालिटी बाजार में अपनी पहचान बनाएंगे।

निरीक्षण के दौरान ये रहे मौजूद

इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के दौरान, मुख्य विकास अधिकारी के साथ जिला परियोजना प्रबंधक संजय सक्सेना, सहायक प्रबंधक (सेल्स और आजीविका) ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना, खंड विकास अधिकारी आलोक गार्ग्य भगवानपुर, बीएमएम, एमएंडई, सीएलएफ स्टाफ, और अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सीडीओ का यह भ्रमण महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण उद्यम को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अल्पसंख्यक शिक्षा कानून से शिक्षा अधिकार सुरक्षित- सुनील सैनी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। पिछड़ा वर्ग कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष (राज्य मंत्री) सुनील सैनी ने कहा अल्पसंख्यक शिक्षा कानून से अल्पसंख्यक समुदाय के शिक्षा अधिकार सुरक्षित रहेंगे। धामी सरकार की ओर से लाए गए नए अल्पसंख्यक कानून को जरूरी बताते हुए कहा कि इससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। धामी सरकार कि यह बड़ी उपलब्धि है। अल्पसंख्यक शिक्षा संस्थान विधेयक को राज भवन ने मंजूरी दे दी है। अल्पसंख्यक शिक्षा कानून के लागू होने से सभी संस्थाओं को प्राधिकरण से मान्यता लेनी होगी। सिख, बौद्ध, जैन, ईसाई पारसी और मुस्लिम समुदाय के शैक्षिक स्थान को मान्यता मिलेगी। नए कानून के तहत एक प्राधिकरण ÷उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण÷ का गठन किया जाएगा जो अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान का दर्जा प्रदान करेगा। नए कानून के तहत राज्य का मदरसा शिक्षा बोर्ड समाप्त हो जाएगा। अल्पसंख्यक विद्यालय में योग, शिक्षक, अच्छी सुविधा का लाभ अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं को मिलेगा। यह सुविधा मदरसों की व्यवस्था में नहीं थी। कानून का उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों को मुख्य धारा की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ने के साथ शिक्षा की गुणवत्ता व पारदर्शिता बढ़ाना है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप अल्पसंख्यकों को समान अवसर प्रदान करना है। उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा कानून अल्पसंख्यकों के हित में है, नई शिक्षा नीति के तहत अल्पसंख्यकों को समान अवसर प्रदान करना है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सभी क्षेत्रों में अग्रणी कार्य कर रहे हैं। उत्तराखंड के निरंतर विकास के लिए संकल्पित है। नई शिक्षा नीति लागू होने से शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन आए हैं और छात्र-छात्राओं को गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा प्रदान की जा रही है। उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा अधिनियम लाने वाला पहला राज्य बन गया है। अब मुस्लिम के साथ सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन और पारसी अल्पसंख्यक समुदाय के शैक्षणिक संस्थान एक ही प्राधिकरण के तहत आएंगे।

संपादकीय

आस्था का सैलाब, भक्ति की पराकाष्ठा: चारधाम यात्रा ने तोड़ा रिकॉर्ड

उत्तराखंड की विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा ने इस साल श्रद्धालुओं के उत्साह और आस्था का अद्भुत उदाहरण पेश किया है। भले ही मानसून और बर्फबारी के कारण कई बार चुनौतीपूर्ण हालात बने, श्रद्धालु अपनी भक्ति के साथ धामों की ओर बढ़ते रहे। इस वर्ष केदारनाथ, बद्रीनाथ और हेमकुंट साहिब में यात्रियों की संख्या ने पिछले वर्ष का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

केदारनाथ में बुधवार तक श्रद्धालुओं की संख्या 16 लाख 56 हजार के पार पहुंच गई, जबकि वर्ष 2024 में पूरे यात्राकाल में 16 लाख 52 हजार 76 श्रद्धालु ही दर्शनार्थ पहुंचे थे। अकेले बुधवार को 5,614 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। प्रशासन ने यात्रा मार्गों पर सुरक्षा जवान तैनात किए हैं और संवेदनशील स्थलों पर मलबे की सफाई के लिए जेसीबी की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो। केदारनाथ के कपाट इस वर्ष 23 अक्टूबर को भैयादूज के अवसर पर बंद किए जाएंगे। यात्रा अभी 15 दिन और चलेगी।

बद्रीनाथ धाम में भी श्रद्धालुओं का उत्साह पिछले वर्ष से कहीं अधिक है। बुधवार तक भगवान बद्रीविशाल के दर्शन के लिए 14 लाख 53 हजार 827 तीर्थयात्री पहुंचे हैं, जबकि वर्ष 2024 में पूरे यात्राकाल में 14 लाख 35 हजार 341 श्रद्धालु ही आए थे। बुधवार को अकेले 5,042 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। खराब मौसम के बावजूद यात्रा मार्गों पर वाहनों का सुचारू आवागमन सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील स्थलों पर विशेष टीमों और जेसीबी की व्यवस्था की गई है। यात्रियों के ठहरने और सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। बद्रीनाथ के कपाट 25 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे।

हेमकुंट साहिब की यात्रा कठिन मानी जाती है, लेकिन इस वर्ष यहाँ भी श्रद्धालुओं की संख्या रिकॉर्ड तोड़ रही है। बुधवार तक 2 लाख 71 हजार 367 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं, जबकि वर्ष 2024 में यह संख्या 1 लाख 83 हजार 722 थी। हेमकुंट साहिब के कपाट 10 अक्टूबर को शीतकाल के लिए बंद होंगे। यात्रा मार्गों पर विशेष सुरक्षा और राहत इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं।

चारधाम यात्रा की समापन तिथियां इस प्रकार हैं- गंगोत्री 22 अक्टूबर, यमुनोत्री 23 अक्टूबर, केदारनाथ 23 अक्टूबर और बद्रीनाथ 25 नवंबर।

प्रकृति की अप्रत्याशित चुनौतियों जैसे अतिवृष्टि, भूस्खलन और बादल फटने जैसी घटनाओं के बावजूद प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। गंगोत्री, यमुनोत्री और केदारनाथ धामों के मार्गों को पुनर्स्थापित कर सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई गईं। एसडीआरएफ जवानों की तैनाती, अलाव की व्यवस्था और संवेदनशील स्थानों पर जेसीबी की व्यवस्था श्रद्धालुओं के विश्वास और सुरक्षा को सुनिश्चित कर रही है।

चारधाम यात्रा न केवल उत्तराखंड की धार्मिक परंपरा की जीवंत मिसाल है, बल्कि यह श्रद्धालुओं की आस्था और सरकार के कुशल यात्रा प्रबंधन का प्रतीक बन गई है। रिकॉर्ड तोड़ श्रद्धालुओं की संख्या दर्शाती है कि भक्ति और उत्साह की शक्ति किसी भी चुनौती को पार कर सकती है। केदारनाथ, बद्रीनाथ और हेमकुंट साहिब में सुरक्षा और सुविधाओं के इंतजाम से श्रद्धालु पूरी निश्चिंतता के साथ यात्रा कर रहे हैं। इस वर्ष चारधाम यात्रा ने वास्तव में 'आस्था का सैलाब, भक्ति की पराकाष्ठा' साबित कर दिया है।

थियेटर और शिक्षक, शिक्षा की आत्मा का अभिनय

कक्षा केवल दीवारों का एक कमरा नहीं होती, वह एक जीवंत मंच होती है – जहाँ शिक्षक निर्देशक भी है, अभिनेता भी, और कभी-कभी दर्शक भी। शिक्षा का वास्तविक अर्थ केवल ज्ञान बाँटना नहीं, बल्कि भावों, विचारों और संवेदनाओं का संवाद स्थापित करना है। इसी संवाद को जीवंत बनाने की कला थियेटर से बेहतर कोई माध्यम नहीं सिखा सकता। जब कोई शिक्षक किसी कविता का अर्थ समझाते हुए अपनी आँखों से उसकी वेदना दिखा दे, किसी कहानी का पात्र बनकर उसकी आत्मा से बात करे, या किसी ऐतिहासिक प्रसंग को मंच पर जी ले – तभी शिक्षा हृदय तक उतरती है।

थियेटर और शिक्षण में यही सबसे बड़ी समानता है – दोनों में संवेदना, संवाद, सयंम और अनुशासन की गहरी समझ की आवश्यकता होती है। एक शिक्षक जब मंचीय कलाकार की तरह अपनी कक्षा में उतरता है, तो छात्र केवल श्रोता नहीं रहते, वे अनुभवकर्ता बन जाते हैं। यही अनुभव शिक्षा का सबसे ऊँचा रूप है। आज की शिक्षा व्यवस्था में जहाँ किताबें, सिलेबस और अंकन प्रणाली ने बच्चों के मन को यांत्रिक बना दिया है, वहीं थियेटर जैसी शिक्षण कला बच्चों में जीवंतता भरती है। हर अच्छे शिक्षक में एक कलाकार छिपा होता है। वह जब अपने भावों, चेहरे की मुद्राओं और देह-भाषा के माध्यम से किसी पाठ को प्रस्तुत करता है, तो छात्र उसे केवल सुनते नहीं, बल्कि महसूस करते हैं। यही महसूस करना शिक्षा का असली चमत्कार है। थियेटर हमें सिखाता है कि भावनाओं का संयम, अनुशासन और समय-प्रबंधन ही सफलता की कुंजी हैं। मंच पर कलाकार तभी प्रभावी होता है जब वह अपनी भावनाओं को नियंत्रित रखे और उन्हें चरित्र की सीमा में ढाले। शिक्षक के लिए भी यही गुण अनिवार्य हैं – क्योंकि उसके हर शब्द, हर हावभाव, हर मौन का विद्यार्थियों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। थियेटर के कलाकार की तरह शिक्षक को भी अभिनय नहीं, अभिव्यक्ति करनी होती है। उसे कृत्रिम नहीं, सजीव बनना होता है। किसी कविता का अर्थ तभी सिखाया जा सकता है जब शिक्षक स्वयं उस कविता को जीए। बच्चा तभी मीराबाई को समझेगा जब शिक्षक उसकी विरह और भक्ति को अपने स्वर में उतारे। वही शिक्षक-कलाकार बच्चों के भीतर साहित्य का बीज बोता है, जो आगे चलकर संवेदनशील नागरिक का रूप लेता है।

थियेटर हमें सुनने और देखने की कला भी सिखाता है – यह दोनों ही एक अच्छे शिक्षक के गुण हैं। मंच पर अभिनेता तभी सफल होता है जब वह अपने सह-कलाकारों की भावनाओं को महसूस करे, उनके संवादों को ध्यान से सुने, और अपने उत्तर उसी अनुरूप दे। कक्षा में भी यही सिद्धांत लागू होता है। शिक्षक अगर छात्रों के सवालों, उलझनों, और मौन को समझने लगे, तो शिक्षण एकतरफा प्रवचन नहीं रहता, बल्कि संवाद बन जाता है।

थियेटर का एक और बड़ा गुण है – धैर्य और अनुशासन। नाट्याभ्यास में हर कलाकार को सैकड़ों बार अपनी भूमिका दोहरानी होती है, अपनी आवाज़ को नियंत्रित करना होता है, हर मंच-संकेत का पालन करना होता है। यही गुण शिक्षक के भीतर भी होने चाहिए। कक्षा के हर दिन में एक नया मंच होता है – नई परिस्थितियाँ, नए श्रोता, नई प्रतिक्रियाएँ। और हर बार शिक्षक को अपने भीतर की ऊर्जा को संतुलित रखकर वही प्रस्तुति देनी होती है जो बच्चों के लिए प्रेरणास्रोत बने।

थियेटर का सार है समझना, महसूस करना और साझा करना – यही शिक्षा का भी सार है। जब शिक्षक इन तीनों को अपनाता है, तो वह केवल अध्यापक नहीं रहता, वह शिक्षा का दूत बन जाता है। आज के समय में जब बच्चे मोबाइल और सोशल मीडिया के शोर में खोते जा रहे हैं, तब शिक्षा में थियेटर का समावेश बच्चों को एकाग्रता, आत्मविश्वास और सहयोग की ओर लौटाता है। नाट्याभ्यास बच्चों को टीमवर्क, अनुशासन, नेतृत्व और संवेदनशीलता का वास्तविक पाठ सिखाता है। यह केवल अभिनय नहीं, जीवन का अभ्यास है। समाज को भी समझना होगा कि शिक्षा केवल किताबों का बोझ नहीं, बल्कि संस्कृति का वह प्रवाह है जो शिक्षक के हृदय से छात्र के मन तक जाता है। यह प्रवाह तभी सार्थक है जब उसमें भावनाओं की सजीवता और मानवीय स्पर्श हो। थियेटर इस मानवीयता की पाठशाला है। वह हमें सिखाता है कि संवाद कैसे स्थापित किया जाए, विरोधाभासों को कैसे सुना जाए, और कैसे हर व्यक्ति की कहानी में एक मानव खोजा जाए।

एक सच्चा शिक्षक उसी तरह समाज का थियेटर डायरेक्टर होता है – जो बच्चों को अपने जीवन के किरदार निभाने की कला सिखाता है। वह मंच तैयार करता है, परिस्थितियाँ बनाता है, मार्ग दिखाता है – पर अभिनय बच्चों को खुद करना होता है। यही शिक्षा का चरम रूप है – मार्गदर्शन बिना नियंत्रण, निर्देशन बिना दबाव, और अनुशासन बिना भय के।

शिक्षा और थियेटर दोनों का अंतिम उद्देश्य है – मनुष्य बनाना। आज जब हम शिक्षा को केवल करियर की दौड़ से जोड़ देते हैं, तब यह याद रखना आवश्यक है कि अगर भावनाएँ मर जाएँ, तो ज्ञान भी निष्प्राण हो जाता है। थियेटर इन भावनाओं को जीवित रखता है, और शिक्षक उन्हें दिशा देता है।

समाज को चाहिए कि वह शिक्षकों में छिपे इस कलाकार को पहचाने, और विद्यालयों को चाहिए कि वे थियेटर की विधाओं को शिक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बनाएँ। जब बच्चे मंच पर खुद को व्यक्त करना सीखेंगे, तो वे जीवन के मंच पर भी आत्मविश्वास से खड़े होंगे।

थियेटर हमें देखना नहीं, समझना सिखाता है – और शिक्षा हमें सिखाना नहीं, जगाना सिखाती है। जब ये दोनों मिलते हैं, तभी सच्ची शिक्षा का उदय होता है – जो किताबों से नहीं, अनुभव से जन्म लेती है। थियेटर और शिक्षक – दोनों ही समाज के अदृश्य शिल्पकार हैं। एक भावनाओं से समाज का चरित्र गढ़ता है, दूसरा ज्ञान से उसका भविष्य। अगर दोनों साथ चलें, तो यह देश न केवल शिक्षित बल्कि संवेदनशील, अनुशासित और रचनात्मक भारत बनेगा।

यही शिक्षा का उद्देश्य भी है – बच्चों में ज्ञान नहीं, जीवन का अभिनय सिखाना ताकि वे अपने हिस्से का किरदार ईमानदारी, संयम और आत्मविश्वास के साथ निभा सकें।

थियेटर और शिक्षा – दो शब्द नहीं, एक ही दर्शन हैं – जीवन को समझने, जीने और गढ़ने की कला।

यही कला अगर हर शिक्षक के भीतर जीवित रहे, तो हर कक्षा एक मंच बनेगी – और हर बच्चा, जीवन का सशक्त अभिनेता।

(लेखक- डॉ. किशोर कुमार पंत, संयोजक – वनाग्नि विहिन हिमालय अभियान, अभिलाषा समिति, पिथौरागढ़, उत्तराखंड)

क़ोई भी व्रत श्रद्धा से बढ़ कर नहीं है

संजय गोस्वामी

श्रद्धा एक ऐसी चीज है जो किसी भी रिश्ते को मजबूत करती है व्रत का फल तभी मिलता है जब हम उस मकसद मेँ कामयाब हो किसी के सुःख मेँ तो सभी साथ देते हैं लेकिन किसी के दुःख मेँ क्या आप सही मेँ साथ देते है व्रत नर और नारी के लिए एक समान है किसी मेँ भेद भाव नहीं रखना चाहिए और पत्नी से ज्यादा माँ को स्थान दें माँ भी एक स्त्री है लेकिन आपके दुःख मेँ हमेशा अपने बच्चे को साथ मेँ उसकी भावना जुड़ी होती है रिश्ता सिर्फ शारीरिक ना होकर दुःख सुःख मेँ साथ देने वाला होना चाहिए आज एक अलग ही परम्परा बन गई है जिसे ध्यान देने की जरुरत है सास के प्रति नफरत की भावना भी गलत है और हमेशा अपने पति के दुःख मेँ साथ दें दुनिया एज रंग मंच है और जैसा आप करेंगे बच्चे भी वैसा ही सीखेंगे और सही मायने मेँ ईश्वर हर दिन एक ताजे गुलाब की तरह है जिसमें हनेशा खुसबू होती है हमें व्रत से ज्यादा अपने रिश्ते को ध्यान देना चाहिए क्योंकि यदि रिश्ते मेँ दरार आ गई तो क़ोई भी व्रत करें उसका कुछ भी फल प्राप्त नहीं होगा जब तक आपके अंदर सच्चे प्रेम की भावना नहीं पैदा होगी और ऐ विश्वास से होगा समझना होगा रिश्ते का महत्व, और सुःख मेँ तो सभी साथ देते हैं दुःख मेँ साथ देना सबसे महत्वपूर्ण है दुःख कभी बता कर नहीं आती लेकिन आती है तो अगर आप साथ नहीं खड़ा हुए तो उससे आपका विश्वास नहीं रहेगा और रिश्ते मेँ एक दिवार आ जाएगी गीता के अनुसार, रिश्तों में एक दूसरे का सम्मान, प्रेम और कर्तव्य की भावना आवश्यक है। रिश्तों की मजबूती के लिए आत्मसम्मान बनाए रखना महत्वपूर्ण है और अगर आत्मसम्मान ठेस पहुँचे तो ऐसे रिश्ते से अलग हो जाना चाहिए। गीता निष्काम कर्म (बिना फल की चाहत के कर्म) और सभी के प्रति समान भाव रखने पर जोर देती है, जिससे रिश्तों में मिठास और स्थिरता आती है। गीता के अनुसार रिश्ते निभाने के महत्वपूर्ण सिद्धांत सम्मान और प्रेम किसी भी रिश्ते में आपसी सम्मान और प्रेम का होना ज़रूरी है। न केवल बड़ों का बल्कि छोटों का भी सम्मान करना चाहिए, इससे रिश्ते मजबूत बनते हैं। आत्मसम्मान गीता बताती है कि किसी भी रिश्ते में तब तक रहना चाहिए जब तक आपका आत्मसम्मान बना रहे। यदि आपका आत्मसम्मान किसी रिश्ते में कम हो रहा है, तो उस रिश्ते से अलग होना बुद्धिमानी का कार्य है। निष्काम कर्म गीता निष्काम कर्म की शिक्षा देती है, जिसका अर्थ है बिना किसी स्वार्थ या फल की इच्छा के कर्म करना। रिश्तों में यह नियम लागू करने से व्यक्ति को अपनी अपेक्षाओं से मुक्ति मिलती है और रिश्ता खुशहाल बनता है। हर रिश्ते की अपनी एक मर्यादा (सीमा) होती है, जिसका पालन करना ज़रूरी है। सामने वाले व्यक्ति की निजता और उसकी सीमाओं का सम्मान करना रिश्ते को मजबूत बनाता है। रिश्तों को धर्म और कर्तव्य के साथ निभाना चाहिए, यह कड़वाहट को कम करता है। व्यक्ति को अपनी कमजोरियों और शक्तियों को जानना चाहिए, इससे वह दूसरों से अच्छे संबंध बनाने में सक्षम होता है। गीता के अनुसार, ज्ञानी व्यक्ति सभी को समान देखता है। रिश्तों में भेदभाव न करें और सभी के साथ एक समान भाव रखें, यह मजबूत रिश्ते की नींव है। अतः आपकी सही परीक्षा तब होती है जब आप किसी परेशानी सेजूझ रहे होते हैं और क़ोई आपका हाथ पकड़ लेता है तो विश्वास बढ़ जाता है और माँ हमेशा आपके साथ रहती है माता का प्रेम अमूल्य है और अंत अंत तक आपको आशीर्वाद ही देती है किसी की गुलामी करना भी सही नहीं ऐ तभी मालूम होगा जब आप दुःख की घड़ी मेँ होंगे और फिर आप जाँच कर देख लेना कौन सही है बूढ़े माता पिता से पता नहीं आज अपने ही बच्चे भाग क्यों जाते है लेकिन आपको भी बूढ़ा होना तय है अतः माता पिता का हमेशा से सम्मान करना चाहिए और ऐ चीज भगवान राम से सिखने की जरुरत है भगवान राम भले ही 14 साल तक वन मेँ रहे लेकिन उनका दृढ़ संकल्प था न्याय के रास्ते पर चलना काँटों पर चलकर ही उनका चरण एक ऐसी जादुई शक्ति बन गई की अहिल्या जो पथ्थर बनी वो उनके चरण सपर्ष मात्र से जीवित हो गई और यही प्रेम केवट और भगवान राम के प्रेम मेँ झलकता है रामचरित मानस में भगवान श्रीराम के वनवास के समय का एक बेहद मार्मिक प्रसंग है। तुलसीदास जी द्वारा लिखित मानस का ये प्रसंग केवट की भक्ति और श्रीराम की करुणा को बताता है। केवट अपने तर्कों से प्रभु को भी निरुत्तर कर देते हैं तथा भक्त वत्सल श्रीराम उन पर अनन्य कृपा बरसाते हैं। छूअत सिला भई नारि सुहाई । पाहन ते न काठ कठिनाई ।।तरनिउ मुनि घरिनी होई जाई । बाट परई मोरि नाव उडाई ।। अर्थात् जिसके छूते ही पत्थर की शिला सुन्दरी स्त्री हो गयी (मेरी नाव तो काठ की है) । काठ पत्थर से कठोर तो होता नहीं । मेरी नाव भी मुनि की स्त्री हो जायेगी और इस प्रकार मेरी नाव उड़ जाएगी, मैं लुट जाऊँगा अतः वो भगवान राम के पैर अपने आंसू से ही धो देता है और चरनामृत समझ कर पी जाता है ऐ है भक्ती जो संस्कार है और यही आपको भवसागर पार करा देगी इसलिए किसी से प्रेम करें या ना करें लेकिन भगवान राम से जरूर प्रेम करें तब दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा ऐ शरीर का नाश होना तय है अतः हमें अपने संस्कार को बनाए रखना चाहिए ईश्वर के प्रेम से बढ़ कर कुछ नहीं है और सच्चाई का पता तभी लगेगा जब आप भगवान राम से सच्चा प्रेम करेगा और उसे प्रेम करने वाला कभी माता पिता से बैर नहीं करेगा जहाँ तक आयु बढ़ने और व्रत का सवाल है वो तभी होगा जब आप भावना को समझ जाएं और आप अपने को पहचाने तभी आपका सही कर्तव्य मालूम होगा।अंततोगत्वा भगवान श्रीराम बोले - 'सोई करू जेहिं तव नाव न जाई' अर्थात् भाई ! तू वही करो जिससे तेरी नाव न जाए। जिनका नाम एक बार स्मरण करने से मनुष्य अपार भवसागर से पार उतर जाते हैं आज वही प्रभु केवट का निहोरा कर रहे हैं। केवट श्रीरामचन्द्र जी की आज्ञा पाकर कठौते में जल भरकर ले आया। अत्यन्त आनंद और प्रेम में उमंगकर वह 'चरन सरोज पखारने लगा'। सब देवता फूल बरसाने लगे क्योंकि जो चरण बड़े-बड़े योगियों के ध्यान में भी नहीं आते उन्हीं चरणों को धोकर केवट ने सपरिवार उस चरणामृत का पान किया, जिससे उनके पितर भी भवसागर से पार हो गए। इसके बाद केवट ने आनंदपूर्वक प्रभु को गंगा पार करवाया और उतरकर दंडवत किया। प्रभु को संकोच हुआ इसे कुछ नहीं दिया। भगवान श्रीराम केवट को अपनी धर्मपत्नी जनकनन्दिनी सीताजी की अंगूठी दे रहे हैं परंतु केवट व्याकुल होकर चरण पकड़ रहे हैं - मानो भगवान हमें सीख दे रहे हैं कि देने वाला चाहे जितना भी अधिक दे परंतु यह सोचे कि मैंने कुछ नहीं दिया है। तभी उसका देना सफल होता है और लेने वाला कम होने पर भी समझे कि नहीं-नहीं बहुत अधिक दिया हैं। तभी उसका लेना सफल होता हैं। अर्थात् देना गरिमामयी हो तो लेना भी महिमामयी हो ।बार-बार आग्रह करने पर भी केवट कुछ नहीं लेता है। केवट कहता है - प्रभु ! हम एक ही जाति के हैं। हम दोनों का काम एक ही है, सभी जीवों को पार उतारना। मैं जब भी आपके पास आऊँगा तो उस समय मेरे पास देने को कुछ भी नहीं होगा, मेरा भी हाथ खाली रहेगा उस समय आप भी मुझे इस भवसागर से पार उतार देना। उस दिन हमारा हिसाब बराबर हो जाएगा। लक्ष्मण जी ने भी काफी आग्रह किया परंतु केवट ने कुछ नहीं लिया। अंततः भगवान श्रीरामचन्द्र जी ने निर्मल भक्ति का वरदान देकर उन्हें विदा किया। केवट तो भूल ही गया था अपने को और यह भी भूल गया था कि उसका परिवार भी है। लेकिन भगवान राम की कृपा से बढ़कर इस दुनिया मेँ कुछ नहीं है और यही आपको भावसागर पार करा सकता है। इसलिए जिस शरीर का नस्ट होना तय है उसके उलझन मेँ ना पड़े कर्म करें फल अवश्य मिलेगा लेकिन रिश्ते मेँ जितना सुःख की अहमियत को समझते हैं उतना बूढ़े माता पिता के लिए उनके दुःख की अहमियत को भी समझे तभी आपका जीवन सफल होगा।

उत्तराखंड पुलिस की मेजबानी में उत्तरी राज्यों की साझा सुरक्षा रणनीति

साइबर क्राइम, ड्रग्स, आपदा प्रबंधन और नई आपराधिक विधियों पर गहन मंथन

पथ प्रवाह, देहरादून। पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड दीपम सेठ की अध्यक्षता में आज पुलिस मुख्यालय देहरादून स्थित सभागार में उत्तरी क्षेत्रीय पुलिस समन्वय समिति (NRPCC) की 12वीं बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, चंडीगढ़ और दिल्ली के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल हुए।

बेहतर समन्वय से सशक्त होगा सुरक्षा ढांचा – डीजीपी दीपम सेठ

बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीजीपी उत्तराखण्ड दीपम सेठ ने कहा कि बेहतर अंतरराज्यीय समन्वय ही उत्तरी भारत की सुरक्षा प्रणाली को सशक्त बनाएगा। उन्होंने बताया कि उत्तरी क्षेत्रीय पुलिस समन्वय समिति की स्थापना वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री जी के विज़न के अनुरूप की गई थी, जिसका उद्देश्य – उत्तरी राज्यों के बीच सहयोग, समन्वय और सामूहिक रणनीति और निर्माण को मजबूत करना।

उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2025 की इस बैठक की मेजबानी उत्तराखण्ड पुलिस के लिए सम्मान की बात है। पिछली बैठक अक्टूबर 2024 में शिमला (हिमाचल प्रदेश) में आयोजित हुई थी।

साझा मुद्दों पर फोकसः ड्रग्स, साइबर अपराध और आपदा प्रबंधन

बैठक में मादक पदार्थों की तस्करी, साइबर अपराध, डिजिटल माध्यमों से फैल रही कट्टरपंथी विचारधाराओं, और आपदा प्रबंधन में पुलिस की भूमिका जैसे अहम विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। हाल ही में उत्तरी भारत के कई राज्यों में आई प्राकृतिक आपदाओं – भारी वर्षा, बादल फटना और फ्लैश फ्लड्स – को देखते हुए आपदा प्रबंधन एवं पुलिस बल की तत्परता पर भी विशेष रूप से विचार-विमर्श हुआ।

महाकुंभ 2027 और रेलवे सुरक्षा पर भी हुई चर्चा

उत्तराखण्ड में आगामी महाकुंभ मेला-2027 को ध्यान में रखते हुए रेलवे अवसंरचना की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर विशेष चर्चा की गई।

साथ ही भारत-नेपाल सीमा प्रबंधन और पर्यटन पुलिस की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाने के उपायों पर भी मंथन हुआ।

डीजीपी बोले – सुझाव होंगे व्यावहारिक और उपयोगी÷

डीजीपी दीपम सेठ ने कहा कि इस बैठक से प्राप्त सुझाव न केवल व्यावहारिक हैं, बल्कि उत्तरी क्षेत्र में एक साझा सुरक्षा नीति बनाने की दिशा में मार्गदर्शक सिद्ध होंगे।

राज्यों के शीर्ष पुलिस अधिकारियों के विशेष प्रस्तुतिकरण

बैठक में विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने-अपने अनुभव, नीतियाँ और Best Practices साझा किए।

मुख्य प्रस्तुतिकरण इस प्रकार रहे – शत्रुजीत कपूर, डीजीपी हरियाणा – Cyber Crime: Latest Strategies & Trends

प्रकाश डी, महानिदेशक, रेलवेज उत्तर प्रदेश – Securing Railway Infrastructure

देवेश श्रीवास्तव, विशेष आयुक्त, दिल्ली पुलिस – Social Media Disinformation: Impact on Law & Order

एस.डी. सिंह जम्वाल, डीजीपी लद्दाख – Tourist Police: Helping Visitors for a True Ladakh E&perience

सागर प्रीत, डीजीपी चंडीगढ़ – Implementation of New Criminal Laws: Best Practices

नीलाभ किशोर, एडीजी पंजाब – Drugs of Concern: Future Strategies for Effective Enforcement

नावेद, एसएसपी, जम्मू-कश्मीर – Weaponising Narratives

अर्जित सेन ठाकुर, एसपी SDRF हिमाचल प्रदेश – Extreme Weather Events & Disaster Preparedness

मंजूनाथ टी.सी., एसपी सुरक्षा उत्तराखण्ड – Managing the Indo-Nepal Border: Security Concerns and Challenges

भारत-नेपाल सीमा प्रबंधन पर उत्तराखण्ड का विस्तृत प्रस्तुतिकरण

पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा) मंजूनाथ टी.सी. ने भारत-नेपाल सीमा प्रबंधन विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने मानव एवं मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध व्यापार और सीमा पार अपराध जैसी चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने भविष्य की रणनीतियों के रूप में सीमा निगरानी को सशक्त करने, तकनीकी साधनों के प्रयोग को बढ़ाने और स्थानीय जनसहभागिता को प्रोत्साहित करने जैसे ठोस सुझाव प्रस्तुत किए। अंतरराज्यीय पुलिस सहयोग राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा को करता है मजबूत– एडीजी ए.पी. अंशुमान

बैठक के समापन पर अपर पुलिस महानिदेशक (अभिसूचना एवं सुरक्षा) ए.पी. अंशुमान ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच राज्यों के बीच सहयोग, क्षमता निर्माण और तकनीकी समन्वय को सशक्त बनाते हैं, जिससे देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूती मिलती है।

वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति

बैठक में वी. गुरूगेशन, एडीजी अपराध एवं कानून व्यवस्था सहित प्रदेश के समस्त पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बद्रीनाथ धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या का नया रिकॉर्ड

14.53 लाख तीर्थयात्री पहुंचे भगवान बद्रीविशाल के दरबार, अभी डेढ़ माह बाकी यात्रा

पथ प्रवाह, देहरादून

चारधाम यात्रा इस वर्ष नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। केदारनाथ के बाद अब बद्रीनाथ धाम में भी श्रद्धालुओं की संख्या ने नया रिकॉर्ड बना दिया है। बुधवार तक कुल 14 लाख 53 हजार 827 तीर्थयात्री भगवान बद्रीविशाल के दर्शन को पहुंच चुके हैं, जबकि कपाट बंद होने में अभी करीब डेढ़ माह का समय शेष है। वर्ष 2024 में पूरे यात्राकाल में 14 लाख 35 हजार 341 श्रद्धालु ही बद्रीनाथ पहुंचे थे, जबकि इस बार यह आंकड़ा पहले ही पार हो चुका है। जैसे-जैसे कपाटबंदी की तिथि नज़दीक आ रही है, तीर्थयात्रियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बुधवार को ही 5042 श्रद्धालुओं ने भगवान बद्रीविशाल के दर्शन किए।

चारधाम यात्रा प्रबंधन में धामी सरकार की सफलता

चारधाम यात्रा के ऐतिहासिक आंकड़े प्रदेश सरकार की कुशल प्रबंधन क्षमता को दर्शा रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में शासन-प्रशासन ने यात्रा को सुचारू और सुरक्षित बनाए रखने के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं।

खराब मौसम के बावजूद यात्रियों की यात्रा निर्बाध चलती रहे, इसके लिए प्रशासन ने सभी रूटों और पड़ावों पर विशेष व्यवस्थाएं की हैं। संवेदनशील स्थानों पर सड़कों को तुरंत खुलवाने हेतु जेसीबी मशीनों और रेस्क्यू टीमों की तैनाती की गई है।

धामों में यात्रियों के रुकने, भोजन, चिकित्सा और सुरक्षा की संपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। ठंड बढ़ने के साथ अब अलाव की व्यवस्था भी की गई है ताकि श्रद्धालु सहजता से दर्शन कर सकें।

श्रद्धालुओं की निश्चिंत यात्रा, बढ़ता उत्साह

उत्तराखंड सरकार की ओर से किए गए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजामों के चलते श्रद्धालु पूरी निश्चिंतता के साथ चारधाम यात्रा पर पहुंच रहे हैं। बद्रीनाथ और केदारनाथ दोनों धामों में बढ़ती भीड़ श्रद्धालुओं के उत्साह को दर्शा रही है। बद्रीनाथ धाम के कपाट 25 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। अनुमान है कि तब तक तीर्थयात्रियों की संख्या 15 लाख का आंकड़ा पार कर सकती है।

आज बंद होंगे हेमकुंट साहिब के कपाट

चारधाम यात्रा के साथ ही श्री हेमकुंट साहिब की यात्रा भी अपने समापन की ओर है। चमोली जिले में समुद्रतल से 15,230 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस पवित्र स्थल के कपाट 10 अक्टूबर (गुरुवार) को शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। इस वर्ष अब तक 2 लाख 71 हजार 367 श्रद्धालु हेमकुंट साहिब के दर्शन कर चुके हैं – यह अब तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड है। पिछले वर्ष 2024 में यह संख्या 1 लाख 83 हजार 722 थी। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद हर वर्ष यहां श्रद्धालुओं की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है।

चारधाम यात्राः कपाट बंद होने की तिथियां

धाम	कपाट बंद होने की तिथि
गंगोत्री	22 अक्टूबर
यमुनोत्री	23 अक्टूबर
केदारनाथ	23 अक्टूबर
बद्रीनाथ	25 नवंबर

धामी सरकार चली गरीब के द्वार, भगवानपुर ब्लॉक में लगे बहुउद्देशीय शिविर

पथ प्रवाह, हरिद्वार। समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति के उपाध्यक्ष देशराज कर्णवाल नेतृत्व में ÷बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर समाज कल्याण बहुउद्देशीय शिविर÷ का आयोजन भगवानपुर विधानसभा के तीन ग्रामों बेहदकी सैदाबाद, मोलना और खजूरी में सफलतापूर्वक किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की जनता की समस्याओं को सुनना, उनका त्वरित निस्तारण करना तथा समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना रहा। शिविर के दौरान बेहदकी सैदाबाद में 26 शिकायतें, मोलना में 22 शिकायतें और खजूरी में 15 शिकायतें प्राप्त हुई। इनमें से 17 समस्याओं का समाधान शिविर स्थल पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा त्वरित रूप से किया गया। शेष शिकायतें, जो जिला स्तरीय हैं, उन्हें निस्तारण हेतु जिलाधिकारी हरिद्वार व शासन को प्रेषित किया जाएगा। शिविर में रेखीय विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही। साथ ही, ग्राम प्रधान, पंचायत प्रतिनिधिगण और सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों की सहभागिता ने शिविर को अत्यंत सफल बनाया। यह शिविर बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर के विचारों और संविधान में वर्णित सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को धरातल पर उतारने की दिशा में एक सार्थक पहल है।

देहरादून के सेब महोत्सव 2.0 में रॉयल डिलीशियस, रेड डिलीशियस की जबरदस्त धूम

पथ प्रवाह, देहरादून

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) उत्तराखंड क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून का दो दिवसीय सेब महोत्सव 2.0 गुरूवार से शुरू हो गया। सेब महोत्सव 2.0 का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तराखंड के कृषि एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी एवं पंकज यादव, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड ने किया।

इस अवसर पर नाबार्ड संपोषित कृषक उत्पादक संगठन (एफ़पीओ) एवं जनजातीय विकास परियोजनाओं के विविध उत्पाद प्रदर्शनी एवं विपणन हेतु लाए गए हैं. इस महोत्सव में नाबार्ड संपोषित हर्षिल घाटी के कृषक उत्पादक संगठन द्वारा उत्पादित 'ए' ग्रेड के रॉयल डिलीशियस, रेड डिलीशियस एवं गोल्डन डिलीशियस सेब, कपकोट के किसानों द्वारा प्राकृतिक विधि से उत्पादित कीवी फ्रूट, अन्य कृषक उत्पादक संगठनों एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्तम पहाड़ी उत्पाद

(अखरोट, राजमा, जीआई टेग्ड उत्पाद, जूस, अचार, हथकरघा उत्पाद, जड़ी बूटियाँ, आदि) ख़रीद हेतु दोनों दिन उपलब्ध है.

कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान नाबार्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ विशेष अतिथि के रूप में अरविंद कुमार, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक, अनुपम, महाप्रबंधक, पंजाब नैशनल बैंक, हरिहर पट्टनायक, अध्यक्ष, उत्तराखंड ग्रामीण बैंक, विनोद कुमार, उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, राजीव पंत, एसएलबीसी, संयोजक के अलावा भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, यूको बैंक, केनरा बैंक, जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक आदि के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे. उद्घाटन समारोह अभिभाषण के दौरान गणेश जोशी ने नाबार्ड के इस प्रयास की सराहना की तथा बताया कि इस प्रकार के मेलों मेन आमजन को सीधे किसानों से जुडने का अवसर तो मिलता ही है साथ ही बिक्री के कारण किसानों की आय में सीधे बढ़ोत्तरी होती है. मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड ने इस अवसर पर नाबार्ड द्वारा संपोषित कृषि एवं गैर कृषि क्षेत्र में संचालित परियोजनाओं, आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार को दिए जाने वाले वित्तीय सहयोग और नाबार्ड के विभिन्न गतिविधियों से भी अवगत कराया. उन्होंने आशा जताई कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों तथा महिलाओं को सीधे ग्राहक से जोड़ने एवं उनके उत्पाद के सही मूल्य मिलने में सहायक होंगे।

नाबार्ड, कृषकों को गांवों से सीधे अपने कार्यालय का मंच प्रदान कर उनके उत्पाद की बिक्री के लिए अवसर प्रदान कर रहा है. इससे जहां एक ओर कृषकों का स्थानीय बाज़ार के साथ संपर्क विस्तार होगा वहीं स्थानीय निवासियों को उचित मूल्य पर उच्च गुणवत्ता के उत्पाद खरीदने का अवसर भी मिलेगा.

कृषक उत्पादक संगठनों एवं स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता/ ऋण उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से सेब महोत्सव 2.0 के आयोजन के दौरान ही नाबार्ड तथा उत्तराखंड ग्रामीण बैंक के बीच एक समझौता ज्ञापन भी हस्ताक्षर किया गया है.

कृषकों के उत्पाद को खेतों से सेब महोत्सव 2.0 में विपणन तक लाने के लिए व्यवस्था नाबार्ड द्वारा प्रदान मोबाइल मार्ट के माध्यम से की गई है. महोत्सव के दौरान सभी क्रय-विक्रय का भुगतान भी डिजिटल माध्यम से ही किया जा रहा है.

त्याग और समर्पण की मिसाल बनी वीर नारियां, सम्मान पाकर भावुक हुई शहीदों की पत्नियां

पथ प्रवाह, संवाददाता, ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। विश्वनाथ पूर्व सैनिक कल्याण समिति उत्तरकाशी के तत्वावधान में चल रहे सैनिक दीपावली मेले के दूसरे दिन वीर नारियों के सम्मान समारोह ने पूरे कार्यक्रम को भावनात्मक और प्रेरणादायी बना दिया। इस अवसर पर चिन्यालीसौड़ क्षेत्र की 20 वीर नारियों को समिति के पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह में देशभक्ति के जयघोष, ढोल-दमाऊ की गूंज और वीरता के गीतों ने माहौल को गर्व और गौरव से भर दिया।

समारोह में जीआरआरसी लैंसडाउन की ओर से पधारे कर्नल मुंजल ने विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया और दो वीर नारियों अंजू देवी पत्नी स्व. सैनिक शैलेंद्र सिंह, सेना मेडल तथा चन्द्रा देवी पत्नी स्व. मोहन लाल, 5वीं गढ़वाल राइफल को विशेष रूप से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ÷देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों की वीर पत्नियां राष्ट्र की सच्ची प्रेरणा हैं, जिनके साहस और त्याग को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

समिति की ओर से प्रत्येक वीर नारी को सम्मान स्वरूप 1100 रुपये नकद, एक साड़ी और एक उपहार बैग भेंट किया गया। इसके साथ ही समिति ने सभी वीर नारियों के घर से लाने और वापस पहुंचाने की व्यवस्था भी की। इस मानवीय पहल की सभी ने सराहना की और समिति को धन्यवाद दिया।

समिति के संरक्षक मेजर आर.एस. जमनाल (सेनि.) ने कहा कि सैनिक दीपावली मेला केवल आनंद का आयोजन नहीं, बल्कि सेवा और बलिदान को नमन करने का पर्व है। वीर नारियां हमारे समाज की प्रेरक शक्ति हैं, जिनके त्याग और धैर्य से समाज को सीख मिलती है।

अध्यक्ष सूबेदार मेजर बिरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि समिति हर वर्ष वीर नारियों के सम्मान को अपनी परंपरा का अभिन्न हिस्सा बनाए रखेगी। उन्होंने कहा कि यह हमारा नैतिक कर्तव्य है कि हम उन परिवारों को सम्मान दें, जिन्होंने देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष सूबेदार धनपाल सिंह, सचिव हवलदार बलबीर सिंह, मीडिया प्रभारी हवलदार गोपेश्वर प्रसाद भट्ट, सूबेदार हिकमत सिंह, सूरवीर सिंह, जगत सिंह, भरत सिंह, बलदेव सिंह, मुरारी सिंह पोखरियाल, इंदर मणि सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, वीर नारियों के परिजन और नगरवासी उपस्थित रहे। सैनिक दीपावली मेला 14 अक्टूबर तक चलेगा। अंतिम दिन दोपहर बाद लकी ड्रॉ कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आकर्षक पुरस्कार वितरित किए जाएंगे।

एक नजर

मोदी ने इजरायल-हमास शांति समझौते का किया स्वागत

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अमेरिका और अन्य देशों की मध्यस्थता से इजरायल और हमास में हुए शांति समझौते का स्वागत किया।

एक सोशल मीडिया पोस्ट में श्री मोदी ने लिखा, ÷हम राष्ट्रपति ट्रम्प की शांति योजना के पहले चरण पर बनी सहमति का स्वागत करते हैं। यह इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सशक्त नेतृत्व का भी प्रतिबिंब है। हमें आशा है कि बंधकों की रिहाई और गाजा के लोगों को मानवीय सहायता में बढ़ोत्तरी से उन्हें राहत मिलेगी और स्थायी शांति का रास्ता साफ मार्ग प्रशस्त होगा।÷

पुलिस-डकैत मुठभेड़ में इफ्तिखार ढेर

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में गुरुवार तडक़े स्ह्त्र और तीन थानों की संयुक्त टीम ने एक लाख रुपये के इनामी डकैत शैतान उर्फ इफ्तिखार उर्फ सोल्जर को मुठभेड़ में मार गिराया। शैतान पर 7 जिलों में 19 मुकदमे दर्ज थे और वह 2012 में पुलिस कस्टडी से फरार हो गया था। उसकी तलाश में पुलिस को वर्षों से मेहनत करनी पड़ रही थी। मुठभेड़ के दौरान एक सिपाही राहुल घायल हुआ, जबकि शैतान का एक साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, मारे गए डकैत शैतान उर्फ इफ्तिखार के खिलाफ 7 जिलों में 19 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। वह थाना बिथरी चैनपुर में डकैती के मामले में वांछित था।

टेक ऑफ करते अनियंत्रित हुआ विमान

फर्रूखाबाद। फर्रूखाबाद जिले के खिमसेपुर औद्योगिक क्षेत्र में गुरुवार को एक बड़ा हवाई हादसा टल गया। रनवे पर उड़ान भरते समय एक मिनी जेट प्लेन फिसल गया और हवाई पट्टी की झाडिय़ों में जाकर रुक गया। यह मिनी जेट प्लेन एक उद्योगपति के परिवार को लेकर खिमसेपुर आया था। रनवे पर गति पकड़ते समय प्लेन अनियंत्रित होकर फिसल गया और बाउंड्री से पहले झाडिय़ों में रुक गया। हादसे में विमान में सवार उद्योगपति और उनका परिवार बाल-बाल बच गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

एसडीएम के भाई की पीट-पीटकर हत्या

बागपत। यूपी के बागपत में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां प्यार और जलन ने एक दोस्ती को मौत में बदल दिया। मृतक संयम, जो एसडीएम का भाई और पूर्व गृह सचिव का भतीजा था, उसकी गर्लफ्रेंड को लेकर दोस्तों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने जब इस केस का खुलासा किया, तो रोमांचक कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट जैसी निकली। दरअसल, संयम और प्रज्वल कभी एक-दूसरे के बहुत अच्छे दोस्त थे। दोनों साथ घूमते, साथ पढ़ते और एक-दूसरे के घर तक आते-जाते थे। लेकिन कहानी में मोड़ तब आया जब प्रज्वल की गर्लफ्रेंड से संयम की नजदीकियां बढऩे लगीं। आरोप है संयम उसकी गर्लफ्रेंड को फोन करता था। प्रज्वल को शक था कि संयम उसकी गर्लफ्रेंड से ज्यादा बात करने लगा है और उसके बीच दरार डालने की कोशिश कर रहा है। यही शक धीरे-धीरे जलन और गुस्से में बदल गया। प्रज्वल ने कई बार संयम को चेतावनी दी, लेकिन संयम ने इसे हल्के में लिया। आखिर में दोस्तों के बीच की ये तकरार प्यार और इगो की लड़ाई बन गई।

भाजपा के 18 नेताओं का इस्तीफा

डिब्रूगढ़। असम में भाजपा को बड़ा झटका लगा है। बता दें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और चार बार के भाजपा सांसद राजेन गोहेन ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उनके साथ कुल 17 अन्य सदस्यों ने भी पार्टी से अपना त्यागपत्र सौंपा। राजेन गोहेन ने यह फैसला राज्य भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया को लिखे पत्र में बताया, जिसमें उन्होंने कहा कि वे पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और सभी जिम्मेदारियों से तुरंत प्रभाव से हट रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, इस्तीफा देने वाले अधिकांश सदस्य ऊपरी और मध्य असम से हैं। राजेन गोहेन ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्होंने इस्तीफा इसलिए दिया क्योंकि पार्टी ने असम के लोगों से किए गए वादों को पूरा नहीं किया और स्थानीय समुदायों को धोखा दिया, जबकि बाहरी लोगों को राज्य में बसने की अनुमति दी।

नाबालिग वाहन चालकों पर कोतवाली पुलिस की सख्ती, चार वाहन सीज, तीन चालकों के कटे चालान

पथ प्रवाह, संवाददाता, उत्तरकाशी।

सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने और नाबालिगों द्वारा मोटरसाइकिल चलाने की प्रवृत्ति पर नियंत्रण के लिए उत्तरकाशी पुलिस ने गुरुवार को व्यापक वाहन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी उत्तरकाशी के पर्यवेक्षण में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक भावना कैन्थोला के नेतृत्व में यह अभियान जिला मुख्यालय के मनेरा बाईपास, स्कूलों के आसपास और बाजार क्षेत्र में संचालित किया गया।

अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने नाबालिग वाहन चालकों और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की। चेकिंग में चार नाबालिग वाहन चालकों को मोटरसाइकिल चलाते हुए पकड़ा गया, जिनके वाहनों को नियमानुसार सीज कर दिया गया। वहीं, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले तीन अन्य चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालान की कार्रवाई की गई।

कोतवाली पुलिस ने बताया कि नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा भी है। पुलिस ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को (18 वर्ष से कम उम्र के) किसी भी स्थिति में वाहन न सौंपें। नाबालिगों को वाहन देना उनकी और दूसरों की जान को जोखिम में डालता है।

पुलिस का कहना है कि सड़क सुरक्षा केवल कानून का पालन करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी भी है। इस दिशा में सामूहिक सहयोग से ही सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है।

जिलाधिकारी ने युवाओं से तंबाकू मुक्त जनपद बनाने का किया आह्वान, स्वास्थ्य विभाग ने नेत्र सुरक्षा पर बढ़ाई जागरूकता

पथ प्रवाह, संवाददाता, उत्तरकाशी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर उत्तरकाशी में गुरुवार को तंबाकू फ्री यूथ कैंपेन 3.0 का शुभारंभ जिलाधिकारी प्रशांत आर्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने राजकीय आदर्श कीर्ति इंटर कॉलेज के छात्रों द्वारा निकाली गई तंबाकू विरोधी रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में छात्रों ने तंबाकू छोड़ो, जीवन जोड़ो और युवा जागो, तंबाकू त्यागो जैसे संदेशों के साथ नगर क्षेत्र में जनजागरण किया। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि तंबाकू का सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नष्ट करता है, बल्कि यह समाज के विकास में भी गंभीर बाधा बनता है। उन्होंने कहा कि यदि युवा पीढ़ी नशे और तंबाकू से दूर रहे तो एक स्वस्थ, सशक्त और प्रगतिशील समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने विद्यालय, परिवार और समुदाय में तंबाकू मुक्त जीवनशैली का संदेश फैलाएं और दूसरों को भी इसके दुष्प्रभावों से बचने के लिए प्रेरित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि युवाओं के संकल्प से ही उत्तरकाशी को तंबाकू मुक्त जनपद बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि तंबाकू का सेवन करने वाले व्यक्ति न केवल अपने जीवन को जोखिम में डालते हैं बल्कि अपने परिवार और समाज के लिए भी आर्थिक एवं मानसिक समस्याओं का कारण बनते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि भारत में हर वर्ष लाखों लोग तंबाकू जनित बीमारियों से अपनी जान गंवाते हैं। इस भयावह स्थिति को बदलने की जिम्मेदारी युवाओं की है, जो अपने व्यवहार और विचारों से समाज को नई दिशा दे सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने 26वें विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर भी छात्रों से संवाद स्थापित किया और नेत्र स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज की डिजिटल जीवनशैली में बच्चों और युवाओं की आंखों पर अत्यधिक स्क्रीन टाइम का प्रभाव पड़ रहा है, जिससे दृष्टि संबंधी विकारों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने युवाओं को नियमित नेत्र जांच कराने, पौष्टिक आहार लेने और आंखों की सुरक्षा के उपाय अपनाने की सलाह दी। जिलाधिकारी ने कहा कि आंखें मनुष्य के शरीर का सबसे संवेदनशील अंग हैं, और इनकी उपेक्षा जीवनभर की परेशानी बन सकती है। उन्होंने इस अवसर पर यह भी कहा कि तंबाकू सेवन आंखों की रोशनी पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है, इसलिए स्वस्थ दृष्टि के लिए तंबाकू का पूर्ण त्याग आवश्यक है। इसके बाद जिला चिकित्सालय उत्तरकाशी में विश्व दृष्टि दिवस के तहत एक जागरूकता गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.एस. रावत ने छात्रों और उपस्थित लोगों को नेत्र स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आंखों की नियमित जांच न कराना और गलत खान-पान आंखों के रोगों को बढ़ावा देता है। तंबाकू, धूम्रपान और प्रदूषण भी दृष्टि संबंधी रोगों का एक प्रमुख कारण बन रहे हैं।

एक नजर

चार मीट विक्रेताओं के विरुद्ध की गई कार्रवाई

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ रेखा यादव के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी डीडीहाट/धारचुला केएस रावत के पर्यवेक्षण एवं थानाध्यक्ष थल प्रकाश पाण्डेय के नेतृत्व में थाना थल पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र में मीट विक्रेताओं की चैकिंग हेतु अभियान चलाया गया। चैकिंग के दौरान दुकानों में खुले में मांस रखने, गन्दगी करने तथा लाइसेंस की शर्तों के अनुरूप कार्य न करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। पुलिस ने ऐसे चार दुकानदारों दीवान राम, असलम, अफजल एवं नदीम कुरैसी के विरुद्ध धारा 81 पुलिस एक्ट के तहत चालान की कार्रवाई की। थानाध्यक्ष थल द्वारा बताया गया कि भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे ताकि आमजन को स्वच्छ वातावरण मिल सके एवं सभी व्यापारी नियमों का पालन करें।

अस्कोट और बलुवाकोट थाना पुलिस ने किया जागरूकता कार्यक्रम

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। थानाध्यक्ष अस्कोट सुरेश कम्बोज एवं प्रभारी निरीक्षक जौलजीबी नीरज चौधरी के नेतृत्व में उप निरीक्षक बसंत पंत मय थाना अस्कोट पुलिस द्वारा अस्कोट बाजार, हिनकोट गांव एवं कोतवाली जौलजीबी पुलिस टीम द्वारा जौलजीबी क्षेत्र में ई-वैन के माध्यम से जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों को जानकारी एवं आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। साइबर क्राइम एवं उससे बचाव के उपाय, यातायात नियमों की जानकारी एवं उनके पालन का महत्व विस्तार से बताया गया। जनहित में प्रचलित विभिन्न पोर्टल जैसे सिटीजन पोर्टल, उत्तराखण्ड पुलिस ऐप, साइबर क्राइम पोर्टल आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। नशे के दुष्परिणाम के बारे में जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने की अपील की गई। बताया कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं एवं आमजन में कानून के प्रति सम्मान, आत्म-सुरक्षा की समझ एवं समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 'टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 3.0' का शुभारंभ

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (NTCP) के अंतर्गत ÷टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 3.0 का शुभारंभ जिलाधिकारी कार्यालय, पिथौरागढ़ में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी द्वारा रैली को हरी झंडी दिखाकर किया गया। यह रैली मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.एस. नबियाल के निर्देशन में आयोजित की गई, जिसमें एनसीसी के कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कैडेट्स ने नगर क्षेत्र पिथौरागढ़ के विभिन्न मार्गों पर पदयात्रा कर आमजन को तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों और स्वास्थ्य हानियों के प्रति जागरूक किया। रैली का संचालन एवरेस्ट विजेता मनीष कसन्याल, हिमानी जोशी तथा दीपक बडोला (पिथौरागढ़) द्वारा किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने तंबाकू निषेध से संबंधित स्लोगन और नारे लगाकर समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में तंबाकू मुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देना तथा समाज में तंबाकू से होने वाले नुकसान के संवेदनशीलता पैदा करना रहा।

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा जागरूकता शिविर का सफल आयोजन

जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा जनपद पिथौरागढ़ पर पूर्व सैनिक संगठन के साथ एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों, मातृशक्ति तथा युवाओं ने इस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

खादी एवं ग्रामीण उद्योग आयोग से आए हुए सहायक निदेशक जितेंद्र मलिक तथा सहायक निदेशक राकेश कुमार द्वारा विभाग के माध्यम से चलाई जाने वाले कई योजनाओं से पूर्व सैनिकों को अवगत कराया गया। साथ ही यह जानकारी भी दी गई की पूर्व में चयनित प्रतिभागी 20 लोगों को 4 दौना पत्तल मशीन तथा 35 चयनित प्रतिभागियों को 350 मौन बॉक्स जनपद पिथौरागढ़ को बांटे जाएंगे जो कि विभाग के माध्यम से 80 से 90% सब्सिडी के साथ इन्हें जनपद पिथौरागढ़ के प्रतिभागियों को दिया जाएगा। इस पहाड़ी जनपद पर इस प्रकार का यह पहला उपक्रम होगा।

इसके साथ ही उद्योग विभाग से आए सहायक प्रबंधक भगवती अवस्थी द्वारा उद्योग विभाग के माध्यम से मिलने वाली सुविधाओं से पूर्व सैनिकों तथा लोगों को अवगत किया गया। इस कार्यक्रम को लेकर पूर्व सैनिकों में उत्साह था जिसके लिए पूर्व सैनिक डीडीहाट, थल, मुवानी, देवलथल से भी इस जागरूकता शिविर पर प्रतिभाग करते हुए इन सुविधाओं की जानकारी को प्राप्त किया गया। जितेंद्र मलिक ने सबसे इतर एक बहुत अच्छी बात कही कि हम छोटे शुरू तो करें एक दिन वही छोटा सा उद्योग जो आज हजार 50000 का होगा वह कल करोड़ों की इंडस्ट्री बन सकती है। बस इस पर लगन तत्परता मेहनत और ईमानदारी का होना बहुत जरूरी है।

आयोग द्वारा बताया गया कि जल्द ही पिथौरागढ़ पर अन्य कोर्स को आयोजित किया जाएगा और अधिक से अधिक लोगों को रोजगार के माध्यमों से जोड़ा जाएगा। पूर्व सैनिक संगठन के उपाध्यक्ष मयूख भट्ट द्वारा आए हुए लोगों का स्वागत करते हुए ऐसे कार्यक्रम को पूर्व सैनिकों हेतु आयोजित करने पर धन्यवाद प्रस्तुत किया गया साथ ही जनपद पर पूर्व सैनिकों के माध्यम से रोजगार के क्षेत्र पर एक नई कड़ी को जोड़ने तथा इसके सार्थक परिणाम जल्द ही जनपद पर दिखाई देने की बात को कहा गया। बैठक पर सभी लोगों द्वारा खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग का धन्यवाद भी प्रस्तुत किया गया। पूर्व सैनिक संगठन के माध्यम से आए हुए सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। वहीं खादी एवं ग्राम उद्योग द्वारा भी पूर्व सैनिक संगठन, सचिव रमेश सिंह महर, पूर्व सैनिक पत्रकार जीवन सिंह, भगवती प्रसाद, मनोज को खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग का स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए धन्यवाद प्रस्तुत किया गया। शंकर सिंह सामंत, किशन सिंह, उमेश फुलेरा, लक्ष्मण थापा, त्रिलोक सिंह, सुंदर सिंह, श्याम विश्वकर्मा, देवेंद्र दिगारी, दीपक ऐरी, बलवंत सिंह, प्रमिला बोरा सहित कई लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संगठन सचिव रमेश सिंह महर द्वारा किया गया।

स्वतंत्र और समृद्ध हिन्द प्रशांत के लिए क्षेत्रीय भागीदारों के साथ सहयोग बढायेंगे भारत और आस्ट्रेलिया

नयी दिल्ली। भारत और आस्ट्रेलिया ने स्वतंत्र, खुले, शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय भागीदारों के साथ सहयोग बढ़ाने के महत्व को दोहराते हुए क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप नौवहन की स्वतंत्रता और निर्बाध व्यापार के प्रति वचनबद्धता व्यक्त की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरूवार को आस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में आस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ पहले आस्ट्रेलिया-भारत रक्षा मंत्री संवाद के दौरान इस बारे में व्यापक चर्चा की।

दोनों मंत्रियों की वार्ता के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है, मंत्रियों ने एक स्वतंत्र, खुले, शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बनाए रखने में मदद के लिए क्षेत्रीय भागीदारों के साथ सहयोग बढ़ाने के महत्व पर ज़ोर दिया। मंत्रियों ने नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता, क्षेत्र में निर्बाध व्यापार, और अंतर्राष्ट्रीय कानून विशेष रूप से 1982 के संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन के अनुरूप समुद्र के अन्य वैध उपयोगों के लिए अपने दृढ़ समर्थन पर ज़ोर दिया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी बातचीत के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने सीमा पार आतंकवाद और साझा क्षेत्रीय स्थिरता पर ऑस्ट्रेलिया के दृढ़ समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर स्वतंत्र, खुले और लचीले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए सहयोग को और प्रगाढ करेंगे। सिंह ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ एक सार्थक बैठक हुई। हमने रक्षा उद्योग, साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय चुनौतियों सहित भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा सहयोग के संपूर्ण आयाम की समीक्षा की। हमने अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी के महत्व की पुनः पुष्टि की। मैंने भारत के रक्षा उद्योग के तीव्र विकास और वैश्विक स्तर पर उच्च-गुणवत्ता वाली रक्षा तकनीक के एक विश्वसनीय स्रोत के रूप में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा पर प्रकाश डाला। हमने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा उद्योग में गहरी साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा की। मैं सीमा पार आतंकवाद और साझा क्षेत्रीय स्थिरता पर ऑस्ट्रेलिया के दृढ़ समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूँ। हम सब मिलकर एक स्वतंत्र, खुले और लचीले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए सहयोग को और गहरा करेंगे।

विरोधियों को निशाना बनाने से पहले दिशानिर्देशों पर ध्यान दें राजनीतिक दल : आयोग

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों को प्रतिद्वंद्वी दलों तथा उम्मीदवारों को निशाना बनाकर तैयार वीडियो में एआई के उपयोग को आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुये सभी दिशानिर्देशों का पालन करने को कहा है।

आयोग ने गुरुवार को यहां एक बयान में कहा कि 06 अक्टूबर को बिहार विधान सभा के आम चुनाव और 08 विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनावों की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गयी है। ये प्रावधान उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों द्वारा सोशल मीडिया सहित इंटरनेट पर पोस्ट की जा रही सामग्री पर भी लागू होंगे।

निर्वाचन आयोग ने कहा है कि आदर्श आचार संहिता के प्रावधान अन्य दलों की आलोचना, उनकी नीतियों, कार्यक्रमों, पिछले रिकॉर्ड और कार्य तक ही सीमित रहेंगे। दलों और उम्मीदवारों को अन्य दलों के नेताओं या कार्यकर्ताओं के निजी जीवन के उन सभी पहलुओं की आलोचना करने से बचना चाहिए जो सार्वजनिक गतिविधियों से संबंधित न हों। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को असत्यापित आरोपों या विकृति के आधार पर अन्य दलों या उनके कार्यकर्ताओं की आलोचना से बचना चाहिए।

आयोग ने चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए राजनीतिक दलों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सूचनाओं को विकृत करने या गलत सूचना फैलाने वाले डीप फेक वीडियो बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित उपकरणों का दुरुपयोग नहीं करने की सलाह दी है। आयोग ने कहा कि सभी राजनीतिक दल और उनके नेता, उम्मीदवार और स्टार प्रचारक, अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से या विज्ञापनों के रूप में प्रचार के लिए साझा की जा रही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सामग्री को डिजिटल रूप से संवर्धित जैसे स्पष्ट प्रतीकों का उपयोग कर प्रमुखता से चिह्नित करने के लिए आवश्यक उपाय करेंगे।

चुनाव आयोग ने कहा है कि चुनावी माहौल को खराब नहीं होने देने के लिए सोशल मीडिया पोस्ट पर कड़ी नजर रखी जा रही है। आयोग ने आदर्श आचार संहिता के दिशानिर्देशों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्था की है। इन दिशानिर्देशों के किसी भी उल्लंघन से सख्ती से निपटा जाएगा।

उत्तराखंड में 31 नए पोस्ट ऑफिस खोलने का प्रस्ताव: पोस्टमॉस्टर जनरल

पथ प्रवाह, संवाददाता,देहरादून

राष्ट्रीय डाक सप्ताह के अवसर पर उत्तराखंड डाक परिमंडल के सभागार में मुख्य पोस्टमास्टर जनरल शशि शालिनी कुजूर ने पत्रकारों को संबोधित किया। उन्होंने डाक विभाग की प्रमुख गतिविधियों, योजनाओं और ग्रामीण डाक सेवाओं के बारे में जानकारी साझा की।

राष्ट्रीय डाक सप्ताह और विश्व डाक दिवस:

6 से 10 अक्टूबर 2025- राष्ट्रीय डाक सप्ताह मनाया जा रहा है।

6 अक्टूबर: प्रौद्योगिकी दिवस

7 अक्टूबर: वित्तीय समावेशन दिवस

8 अक्टूबर: डाक टिकट एवं नागरिक केंद्रित सेवाएं दिवस

9 अक्टूबर: विश्व डाक दिवस

थीम: ÷लोकल सर्विस, ग्लोबल रीच÷

मुख्य पोस्टमास्टर जनरल द्वारा ÷एक पेड माँ के नाम÷ वृक्षारोपण

10 किमी पोस्टाथान वॉक रिले

10 अक्टूबर: ग्राहक दिवस

महिला सशक्तिकरण और वित्तीय योजनाएँ:

महिला सम्मान बचत पत्र योजना (01 अप्रैल 2023 से):

निवेश: ?1,000 - ?2,00,000

ब्याज: 7.5% (2 वर्ष)

उत्तराखंड में अब तक 90,000 खाते खोले गए

बचत बैंक खाते: 2.70 लाख खाते, राजस्व 103 करोड़

डाकघर निर्यात केंद्र और फिलैटली पहल

उत्तराखंड में 13 जिलों में कुल 18 डाकघर निर्यात केंद्र

रुड़की प्रधान डाकघर में प्रथम निर्यात केंद्र वर्ष 2022 में खोला गया

2022 से अब तक लगभग ?1.2 करोड़ का राजस्व

विशेष आवरण जारी: जागेश्वर धाम, कटारमल सूर्य मंदिर, गोपीनाथ मंदिर, वसुधारा जलप्रपात, बद्रीनाथ धाम, पक्षियों का स्वर्ग, राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह

विद्यार्थियों के लिए दीन दयाल स्पर्श योजना और पत्र लेखन प्रतियोगिता

डाक सेवाओं और बीमा योजनाएँ:

गंगाजल आपूर्ति: 2023-24: 4,64,640 बोतलें; 2025-25 वर्तमान: 2,70,000

पासपोर्ट सेवा: 2023-24: 68,385; 2025-25: 20,922 पासपोर्ट

PLI एवं RPLI:

2023-24: PLI - 6,614 पॉलिसियां (137.65 करोड़), RPLI - 13,192 पॉलिसियां (97.90 करोड़)

2025-25: PLI - 5,110 पॉलिसियां (71.98 करोड़), RPLI - 9,945 पॉलिसियां (40.87 करोड़)

IPPB प्रीमियम खाते: 2023-24: 58,264; 2025-25: 24,145

जनरल बीमा: 2023-24: 54.12 लाख; 2025-25: 69 लाख पॉलिसियां जारी

डाकघर भवन और अवसंरचना सुधार:

2023-24: देहरादून जीपीओ, देहरादून कैंट, कोटद्वार प्रधान डाकघर का जीर्णोद्धार

महिला शौचालय, रैंप और ब्रेल साइनऐज की स्थापना

2025-25: 5 नए लघु डाकघर निर्माण प्रगति में, 13 अन्य कार्य प्रगति पर

मानव संसाधन और भर्ती: ग्रामीण डाक सेवक के 1,238 पदों के लिए चयन सूची जारी

वर्तमान में 802 प्रशिक्षण में, 436 ने जॉइन करने से मना किया

नई सूची ऑनलाइन पोर्टल द्वारा जारी होगी

भविष्य की योजनाएँ: इस वर्ष 31 नए गाँवों में पोस्ट ऑफिस खोलने का प्रस्ताव निष्क्रिय आधार केंद्रों को पुनः सक्रिय करने का प्रयास।

एक नजर

बिहार चुनाव में एनडीए में सीट बंटवारे पर बात फाइनल

नई दिल्ली। बिहार चुनाव में एनडीए में सीट बंटवारे पर बात फाइनल हो चुकी है, फाइनल लिस्ट अब 13 अक्तूबर को आ सकती है। संभावना है कि उम्मीदवारों की पहली सूची एनडीए के सभी घटक दल साझा तौर पर जारी करें। इस बीच, बीजेपी ने अपने उम्मीदवारों के चयन के लिए राज्य स्तर पर प्रक्रिया पूरी कर ली है। 11 अक्तूबर को दिल्ली में बीजेपी के बिहार कोर ग्रुप की बैठक हो सकती है। बीजेपी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक 12 अक्टूबर को दिल्ली में होने की संभावना है। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत अन्य वरिष्ठ नेता हिस्सा लेंगे। इससे पहले, पटना में राज्य चुनाव समिति की बैठक में बीजेपी के हिस्से की सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा पूरी हो गई। हर सीट पर तीन संभावित उम्मीदवारों का पैनल बनाया गया है। केंद्रीय चुनाव समिति की शनिवार को होने वाली बैठक में नामों पर चर्चा होगी।

बिहार में सूची से बाहर किए गए मतदाताओं को चुनाव आयोग में अपील दायर करने में सहायता करें - सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को विशेष गहन पुनरीक्षण पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह अपने जिला-स्तरीय निकाय को अंतिम मतदाता सूची से बाहर किए गए 3।66 लाख मतदाताओं को चुनाव आयोग में अपील दायर करने में सहायता करे। सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने कहा कि जो एफिडेविट प्रशांत भूषण ने वोटर लिस्ट से लोगों का नाम काटने वाला दिया है, वह गलत है। उन?होंने कहा कि यह एफिडेविट कोर्ट को गुमराह करने वाला है। जिस महिला का नाम काटने का दावा किया जा रहा है। उसका मसौदा सूची और अंतिम सूची में भी नाम है। साथ ही चुनाव आयोग ने कहा कि एक नाम का पर्चा बेचा जा रहा है कि यह नाम काटा गया है जबकि उनकी ओर से आवेदन ही नहीं किया गया है। द्विवेदी ने कहा कि एक तर्क यह था कि ड्राफ्ट मतदाता सूची में बड़ी संख्या में लोगों के नाम थे, लेकिन अचानक उनके नाम सूची से गायब हो गए।

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्लीवासियों को स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की सलाह दी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कर्तव्य पथ पर बृहस्पतिवार को स्वदेशी मेले का उद्घाटन किया और कहा कि उनकी सरकार राष्ट्रीय राजधानी के कारीगरों की कला को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। दिल्ली सरकार की ओर से आयोजित स्वदेशी मेला 11 अक्टूबर तक चलेगा। सीएम रेखा ने राजधानी में कर्तव्य पथ पर दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित स्वदेशी उत्सव का शुभारंभ किया। यह आयोजन भारत के आत्मविश्वास, परंपरा और स्वाभिमान का उत्सव है। सीएम रेखा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''पूरे देश में एक जिला एक उत्पाद पर चर्चा हो रही है इसलिए मैंने हमारे मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा (उद्योग मंत्री) से पूछा कि चाट-पकौड़े के अलावा दिल्ली की क्या विशेषता है।

सीएम रेखा ने कहा, ''हम दिल्ली के कारीगरों की कारीगरी को बढ़ावा देना चाहते हैं ताकि वे न केवल देश में बल्कि दुनिया भर में प्रसिद्धि प्राप्त करें। गुप्ता ने लोगों को स्वदेशी उत्पाद अपनाने की सलाह दी और याद दिलाया कि किस प्रकार स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान ये हथियार के रूप में उभरे थे। उन्होंने कहा, ''हम स्वदेशी अपनाकर ही आत्मनिर्भर बन पाएंगे और स्वदेशी ही वह हथियार है जिससे देश को आजादी मिली।

सीएम गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार स्वदेशी स्टार्टअप्स को फंडिंग, मार्केटिंग और टेक्नोलॉजी सपोर्ट देगी। दिल्ली स्वदेशी प्रमोशन में बिजनेस फ्रेंडली पॉलिसी लागू की गई। ट्रेड फेयर और प्रदर्शनियां आयोजित होंगी, जहां स्वदेशी ब्रांड्स को शोकेस किया जाएगा। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम है। गुवाहाटी(ईएमएस)। देश के मशहूर सिंगर जुबीन गर्ग की मौत मामले में गिरफ्तार उनके चचेरे भाई संदीपन गर्ग को डीएसपी पद से सस्पेंड कर दिया गया है। वे असम पुलिस सर्विस के अधिकारी हैं और अब तक राज्य के कामरूप जिले में तैनात थे। उन्हें बुधवार को सिंगर की मौत मामले में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें 7 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा गया है। वह जुबीन की मौत मामले में गिरफ्तार होने वाले पांचवें व्यक्ति हैं। सिंगापुर में जुबीन की मौत के समय संदीपन उनके साथ थे। सिंगर की पत्नी गरिमा ने दावा किया कि संदीपन ने जुबीन के साथ सिंगापुर जाने की इच्छा जताई थी।

मुख्य न्यायाधीश पर हमला दलितों को डराने की साजिश : केजरीवाल

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी(आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई के ऊपर कोई वस्तु फेंकने और उसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर दी जा रही धमकियों के पीछे दलितों तथा पूरी न्यायपालिका को दबाने एवं डराने की साजिश करार दिया है। केजरीवाल ने गुरुवार को एक्स पर एक वीडियो जारी कर कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर कोई वस्तु फेंकने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इसके बाद सोशल मीडिया पर मुख्य न्यायाधीश को मारने-पीटने और विभिन्न तरह की हिंसा की धमकियां दी जाने लगी। उनका अपमान भी किया गया। प्रशासन ने नो उस व्यक्ति के खिलाफ कोई कार्रवाई की और न ही धमकियां देने और अपमान करने वालों के खिलाफ कोई कदम उठाया। ऐसा लगा कि जैसे यह सब एक सुनियोजित षड्यंत्र है। उन्होंने कहा कि घटनाक्रम के जरिए इन लोगों ने दलित समाज और न्यायपालिका को कड़ा संदेश देने की कोशिश की है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई दलित समाज से आते हैं। इन लोगों को यह बिल्कुल बर्दाश्त नहीं हो रहा है कि एक दलित का बेटा अपनी मेहनत और लगन से न्यायपालिका के सर्वोच्च पद तक कैसे पहुंच गया। क्या इनकी ये हरकतें दलित समाज को डराने और अपमानित करने की कोशिशें नहीं हैं? इसके बाद एक आम दलित किससे न्याय की उम्मीद करेगा? क्या इससे दलितों पर अत्याचार करने वालों और उनसे नफरत करने वालों के हौसले बुलंद नहीं होंगे?

आप नेता ने कहा इस पूरे घटनाक्रम से देश की न्यायपालिका को यह संदेश गया है कि अगर देश के मुख्य न्यायाधीश पर हमला करने वाले पर कोई कार्रवाई नहीं होती है, तो दूसरे जजों को कौन बचाएगा? इस घटना के बाद कोई भी जज न्याय के हक में फैसला देते हुए इन ताकतों के खिलाफ बोलने से घबराएगा। उसे लगेगा कि इसी तरह उसके ऊपर भी हमला हो सकता है, उसके परिवार को सोशल मीडिया पर धमकियां और अपमान झेलना पड़ सकता है और कोई बचाने वाला नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि मुख्य न्यायाधीश को धमकियां देने और उनका अपमान करने वालों को ऐसी सख्त सजा दी जाए कि भविष्य में कोई न्यायपालिका के खिलाफ खिलवाड़ करने की हिम्मत न कर सके। उन्होंने इसे व्यापक संदर्भ में रखते हुए कहा कि चुनाव आयोग, मीडिया और विपक्ष के बाद अब न्यायपालिका की आवाज को दबाकर ये लोग पूरे लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। न्यायपालिका की स्वतंत्रता हमारे देश के अस्तित्व के लिए अहम है। यह अपमान न केवल देश के संविधान का अपमान है, बल्कि बाबा साहब डॉ. अंबेडकर का भी अपमान है।

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने एक्स पर कहा कि जस्टिस गवई पर हुआ हमला सिर्फ़ एक व्यक्ति पर हुआ हमला नहीं, बल्कि पूरे दलित समाज और पूरी न्यायपालिका को डराने और बाबा साहेब के संविधान का अपमान करने की कोशिश है। सत्ता में बैठे अहंकारी लोगों को ये बर्दाश्त नहीं हो रहा कि दलित समाज से एक व्यक्ति पढ़-लिखकर देश के मुख्य न्यायाधीश पद तक कैसे पहुंच गया।

भारत की नजरें क्लीन स्वीप पर, बुमराह को मिल सकता है आराम

नयी दिल्ली। शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार से अरुण जेटली स्टेडियम में दूसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत दर्ज कर सीरीज में क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान में उतरेगी। वहीं वेस्टइंडीज इस मैच को जीतकर सीरीज बराबर करना चाहेगी।

मेजबान भारतीय टीम ने अहमदाबाद में खेले गये पहले टेस्ट में तीन दिन से भी कम समय में मेहमान टीम को एक ऐसे प्रदर्शन से धूल चटाई जो पहले से तय लग रहा था। इस मैच में तीन शतकों और एक अनुशासित गेंदबाजी ने सभी को यह याद दिला दिया कि भारत अपनी धरती पर लगभग अपराजेय क्यों है। केएल राहुल, ध्रुव जुरेल और रवींद्र जडेजा, सभी शतक बनाने वालों के क्लब में शामिल हो गए। ये सभी लय में दिखे और वेस्ट इंडीज पर उनका दबदबा एक जैसा था।वहीं गेंदबाजी क्रम की बात की जाये तो मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजी क्रम को कौशल और सटीकता से ध्वस्त कर दिया।

हालांकि, इस बार भारत के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए बुमराह को आराम दिया जा सकता है। प्रसिद्ध कृष्णा युवा ऊर्जा और उछाल लेकर आएंगे और नई गेंद से सिराज का साथ देंगे। उनके पीछे जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की भरोसेमंद स्पिन तिकड़ी है। यह ऐसा संयोजन जिसने मेहमान टीम के बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त करने में सक्षम है।

वहीं वेस्टइंडीज की बात की जाये तो उनका हालिया रिकॉर्ड उन्हें बहुत कम सुकून देता है। उन्होंने 2002 के बाद से भारत में कोई टेस्ट नहीं जीता है और हाल के मुकाबलों में भारत को चार दिन से ज्यादा समय तक नहीं खींच पाए हैं। कप्तान रोस्टन चेज को केवल दृढ़ संकल्प से ज्यादा प्रेरित करने की जरूरत होगी। तेजनारायण चंद्रपॉल और जॉन कैंपबेल की सलामी जोड़ी को भारतीय गेंदबाजी के शुरुआती तूफान से निपटने का तरीका खोजना होगा, जबकि शाई होप और एलिक अथानाज को मध्य क्रम में जिम्मेदारी उठानी होगी। वेस्टइंडीज यह मुकाबला जीतकर सीरीज बराबर करने के लिए संकल्प के साथ मैदान में उतरना चाहेगी।

यहां की पिच की बात की जाये तो यह अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप, शुरुआत में बल्लेबाजों के लिए अनुकूल रह सकती है लेकिन धीरे-धीरे स्पिनरों के लिए मददगार होगी। पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों का यहां ऐतिहासिक रूप से बेहतर प्रदर्शन रहा है, पिछले दस टेस्ट मैचों में से छह में जीत हासिल की है, और एक बार फिर टॉस अहम हो सकता है।

भारत की संभावित एकादश:- शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज।

वेस्टइंडीज की संभावित एकादश:- रोस्टन चेज (कप्तान), तेजनारायण चंद्रपॉल, जॉन कैंपबेल, एलिक अथानाज, ब्रैंडन किंग, शाई होप (विकेटकीपर), जस्टिन ग्रीव्स, जोमेल वारिकन, खारी पियरे, जोहान लेने और जेडेन सील्स।

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालय: 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन–249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई– www.pathpravah.com